राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार 06 अगस्त 2024 वर्ष-7,अंक-194 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## पहला कॉलम

### अनुच्छेद 370 की पांचवीं वर्षगांठ......अमरनाथ यात्रा रोकी गई

**नई दिल्ली ।** अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की पांचवीं वर्षगांठ के मद्देनजर सोमवार, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। पुलिस की सलाह में कहा गया है कि विभिन्न आधार शिविरों के बीच अमरनाथ यात्रा तीर्थयात्रियों के काफिले की आवाजाही नहीं होना चाहिए। एहतियात के तौर पर, तीर्थयात्रियों के किसी भी नए जत्थे को कश्मीर की ओर जाने की अनुमति नहीं दी गई। सेना के अधिकारी ने बताया कि एहतियात के तौर पर यात्रा को दिन भर के लिए रोक दिया गया है। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई पांचवीं वर्षगांठ मनाने और भारतीय संघ में जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण का जश्न मनाने के लिए एकात्म महोत्सव रैली आयोजित करेगी। रैली आरएस पुरा के बाना सिंह स्टेडियम में होगी और कार्यक्रम के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जम्मू-कश्मीर भाजपा महासचिव और पूर्व एमएलसी विबोध गुप्ता ने कहा कि 5 अगस्त 2019 का दिन हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण दिन है। पांच साल पहले इसी महत्वपूर्ण दिन पर, एक ऐतिहासिक भूल को सुधारा गया था और हम, जम्मू-कश्मीर के लोग, शेष भारत के साथ पूरी तरह से एकजुट हो गए थे। कांग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) जैसी विपक्षी पार्टियों ने अनुच्छेद 370 को हटाने को लेकर बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रविंदर शर्मा ने कहा कि पांच साल में क्या हासिल हुआ, बीजेपी को लोगों, खासकर डोगराओं के घावों पर नमक छिड़कने के बजाय उन्हें जवाब देना चाहिए।

### जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर दिखे घुसपैठिये, सेना ने बरसाईं गोलियां, तलाश शुरु

**श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर एलओसी के पास रविवार देर रात संदिग्ध घुसपैठियों की गतिविधि की सूचना मिलते ही सेना के जवानों ने उन पर गोलीबारी की। दूसरी तरफ से गोलीबारी की कोई सूचना नहीं है, लेकिन सीमा पार से घुसपैठ की किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए अखनूर और सुंदरबनी सेक्टर में बड़े पैमाने पर तलाश अभियान शुरू किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक जम्मू के बाहरी इलाके अखनूर के बट्टल सेक्टर में रात करीब डेढ़ बजे तीन से चार घुसपैठियों की संदिग्ध गतिविधि देखी गई, जिसके बाद सेना के जवानों ने उन पर गोलियां दागीं। रात में इलाके में ड्रोन के जरिये निगरानी की गई और कड़ी घेराबंदी के लिए अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। सुबह होते ही तलाश अभियान शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक सेना के जवानों ने राजौरी जिले के सुंदरबनी-नौशेरा सेक्टर में संदिग्ध गतिविधि देखी, जिसके बाद उन्होंने कई राउंड गोलियां चलाईं। अधिकारियों ने बताया कि एलओसी से सटे इलाके में तलाश अभियान जारी है। जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद-370 को रद्द किए जाने के पांच साल सोमवार को पूरे हो गए, जिसके मद्देनजर केंद्र-शासित प्रदेश में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

### रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे लोग, सीएम ने तारीफ कर लिखा, देवभूमि की 'अतिथि देवो भवः' की संस्कृति

**रुद्रप्रयाग ।** उत्तराखंड में भारी बारिश और बादल फटने से केदारनाथ धाम के रामबाड़ा से भीमबली क्षेत्र में फंसे लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू करने के लिए प्रदेश सरकार की ओर से युद्ध स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। लोगों को खोजने स्निफर डॉग की मदद ली जा रही है। लिनचोली से रामबाड़ा क्षेत्र तक सर्च अभियान पूरा हो चुका है। जिसमें अब तक किसी व्यक्ति के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। सोमवार को डीडीएमओ नंदन सिंह रजवार के नेतृत्व में रामबाड़ा से भीमबली क्षेत्र में सर्च अभियान शुरू किया गया। श्री केदारनाथ धाम से 100 लोगों को सुरक्षाबलों की निगरानी में लिनचोली हेलीपैड रवाना किया है। वहीं, एनडीआरएफ की टीमें जंगल एवं मंदाकिनी नदी के करीब सर्च अभियान चला रही हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लिखा कि यही है देवभूमि की 'अतिथि देवो भवः' की संस्कृति। केदारनाथ क्षेत्र में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में प्रशासन को लोगों का पूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है। पोस्ट में कुछ लोगों का नाम लिखते हुए सीएम ने कहा कि ग्रामीण बढ़ चढ़कर प्रशासन के साथ बचाव कार्यों में जुटे हैं। सभी लोगों के अथक प्रयासों का ही परिणाम है कि अतिवृष्टि की वजह से होने वाले बड़े नुकसान को रोका जा सका है। आप सभी का हृदय की गहराइयों से आभार। सीएम धामी ने दूसरे पोस्ट में लिखा कि केदारघाटी में राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। ध्वस्त पड़े रास्तों और पैदल पुलों को ठीक करने का कार्य भी शुरू कर दिया गया है।

# केदारघाटी से कुल्लू-मनाली बारिश बाढ़

## मलवे में दबे घर,कार और बंद हुए रास्ते बयां कर रहे हैं बर्वादी की कहानी

**नई दिल्ली।**

केदारघाटी से लेकर कुल्लू मनाली तक बाढ और बारिश के कहर का मंजर दिखाई देता है। गांव के गांव तबाही से बिखरे पड़े हैं। यहां जगह जगह भारी भरकम पत्थर पड़े दिखाई दे रहे हैं। मलबे में घर दबे है और जेसीबी मशीने अपना काम कर रहीं है। सोमवार तड़के से डीडीएमओ नंदन सिंह रजवार के नेतृत्व में डॉग स्क्वायड रामबाड़ा से भीमबली क्षेत्र में सर्च अभियान शुरू किया है। वहीं, सोमवार सुबह 100 लोगों को सुरक्ष बलों की देखरेख में श्री केदारनाथ धाम से लिनचोली हेलीपैड के लिए रवाना कर दिया गया है। इन यात्रियों को लिनचोली से एयर लिफ्ट कर शेरसी हैलीपैड पर उतारा जाएगा। कुछ यात्रियों को पैदल मार्ग से लिंचोली भेजा गया। इसके अलावा एनडीआरएफ की टीमें जंगल एव मंदाकिनी नदी के आसपास भी लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है। उत्तराखंड में भी कुदरत ने रौद्र रूप दिखाया। भारी बारिश से केदारघाटी में तबाही मची है। उत्तराखंड की केदार घाटी में बादल फटने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। एनडीआरएफ,एसडीआरएफ और सेना लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई है। हर एक शख्स को सुरक्षित निकालने की कोशिश में लगी है। प्रशासन के मुताबिक, केदारनाथ के रास्ते में भीमबली, गौरीकुंड से यात्रियों को बाहर निकालने का प्रयास जारी है। यात्रियों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचने के लिए हेलिकॉप्टर का भी सहारा लिया जा रहा है।सोनप्रयाग में रेस्क्यू का काम इसलिए भी मुश्किल है कि क्योंकि 31 जुलाई से अब तक 300 से ज्यादा सड़कें लैंडस्लाइड की वजह से बंद हो चुकी हैं। कई टीमें रास्तों को फिर से ठीक करने में जुटी हैं। इस बीच मौसम विभाग ने चमोली, बागेश्वर जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। भारी बारिश से पहले प्रशासन यात्रियों को सुरक्षित निकालने में जुटा हुआ है। रविवार देर शाम तक स्निफर डॉग की मदद से सर्च अभियान जारी रहा। लिनचोली से रामबाड़ा क्षेत्र तक सर्च अभियान पूरा किया जा चुका है, जिसमें अब तक किसी व्यक्ति के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। मॉनसून की बारिश अगस्त के महीने में हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में ऐसी आफत लेकर आई कि जगह-जगह पहाड़ दरक रहे हैं। मौसम का ऐसा रोद्र रूप दिखाई दे रहा है कि नदी-नाले उफान पर हैं। हिमाचल और उत्तराखंड के कई जिलों में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात हैं। सैलाब ने घर, दुकानें, खेत-खलिहान सब कुछ तबाह कर दिए हैं। मौसम का सितम लोगों की जान पर भी भारी पड़ रहा है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू-मनाली और लाहौल-स्पीति में कुदरत का कहर टूटा है, जहां बादल फटने से जबरदस्त तबाही मची है। हिमाचल प्रदेश में बादल फटने के बाद मची तबाही को संभालने की कोशिशें जारी हैं। रामपुर, मंडी, कुल्लू के सुदूर इलाकों से बर्बादी की तस्वीरें और खौफनाक कहानियां सामने आ रही हैं। इस बीच कुदरत का कहर लाहौल-स्पीति पर भी बरपा है,जहां बादल फटने के बाद कई गांवों में मलबा बिखरा हुआ है। स्पीति के सगनम गांव में जगह-जगह बिखरी चट्टानें नजर आ रही हैं। मलबे में दबे घर दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि हिमाचल में बादल फटने की इस घटना में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 40 लोग अभी लापता है।

### लोकसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री ने दी जानकारी

## सहारा-ग्रुप की कंपनियों की जांच कर रहा एसएफआईओ

**- अब तक 19,650 लोगों ने रिफंड मांगा, इनमें से 17,250 दावों का निपटारा हुआ**

**नई दिल्ली ।**

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) सहारा ग्रुप की कंपनियों से संबंधित मामले की डिटेल्ड जांच कर रहा है। एसएफआईओ की रिपोर्ट के बाद ग्रुप पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। लोकसभा में सवाल किया गया कि सहारा ग्रुप की कंपनियों के सभी निवेशक रिफंड का दावा करने के लिए आगे क्यों नहीं आए हैं? इसके जवाब में सीतारमण ने कहा कि सहारा ग्रुप के सभी मामलों की निगरानी सुप्रीम कोर्ट द्वारा की जा रही है और सरकार शीर्ष अदालत के निर्देशों के अनुसार काम कर रही है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि एसएफआईओ के डिटेल्ड एनालिसिस के बाद पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी और कार्रवाई की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि सहारा ग्रुप की कंपनियों में 3.7 करोड़ निवेशक हैं और अब तक 19,650 लोग रिफंड का दावा करने के लिए आगे आए हैं। सीतारमण ने कहा कि इन दावों में से 17,250 दावों का निपटारा कर दिया गया है। जबकि बाकी आवेदकों को और कागजात उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है, ताकि उनके दावों का निपटारा किया जा सके।

वित्त मंत्री ने कहा के यह सच है कि केवल छोटे निवेशक ही रिफंड का दावा करने के लिए आगे आए हैं। एसएफआईओ पूरे मामले की जांच कर रहा है। वह इस बात की भी जांच कर रहा है कि सभी निवेशक रिफंड का दावा करने के लिए आगे क्यों नहीं आए हैं और वे कहां हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार चाहकर भी सहारा ग्रुप की कंपनियों के मामले में कुछ नहीं कर सकती, क्योंकि हर चीज पर सुप्रीम कोर्ट की निगरानी है। उन्होंने कहा, हम लगातार सुप्रीम कोर्ट को रिपोर्ट कर रहे हैं।

**2018 में एसएफआईओ को सौंप दी गई**

दिसंबर 2023 में वित्त मंत्रालय द्वारा संसद को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, सहारा ग्रुप की तीन कंपनियों के मामलों की जांच 31 अक्टूबर 2018 को एसएफआईओ को सौंप दी गई थी। ये कंपनियां हैं- सहारा हाउसिंग इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, सहारा क्यू शॉप यूनीक प्रोडक्ट्स रेंज लिमिटेड और सहारा क्यू गोल्ड मार्ट लिमिटेड। इसके अलावा 27 अक्टूबर 2020 को ग्रुप की छह अन्य कंपनियों के खिलाफ जांच के आदेश दिए गए थे।

## देश में पहली बार स्किल्ड के आधार पर जनगणना

**हैदराबाद ।**

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने जाति जनगणना के पहले कौशल जनगणना कराने का निर्णय लिया है। अगस्त माह से यह जनगणना शुरू होने जा रही है। इसमें युवाओं और बेरोजगारों के पास जो स्किल्ड है। उसकी गणना करके आधिकारिक रिकार्ड तैयार किया जाएगा। आंध्र प्रदेश के 20 लाख युवाओं को नौकरियां दिए जाने का लक्ष्य आंध्र प्रदेश की सरकार ने बनाया है। उल्लेखनीय है आंध्र प्रदेश में सबसे ज्यादा तकनीकी और व्यावसायिक संस्थान हैं। युवाओं की योग्यता के अनुसार उन्हें काम दिलाने में सरकार मदद करेगी। आंध्र प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य होगा। जो बेरोजगारों की वास्तविक स्किल्ड के अनुसार डेटाबेस तैयार करेगा। जनगणना के दौरान आंध्र प्रदेश के अधिकारी युवाओं से उनकी स्किल्ड जानकर दो वर्गों में पंजीयन करेंगे। 15 से 29 वर्ष की उम्र के लोगों का एक डेटाबेस तैयार किया जा रहा है। 30 वर्ष से लेकर 59 वर्ष तक की आयु का एक अलग डाटाबेस तैयार किया जा रहा है। आंध्रा में मौजूद शिक्षित और अशिक्षित युवाओं को उनकी दक्षता के आधार पर डाटाबेस तैयार किया जा रहा है। इस डेटाबेस के तैयार होने के बाद सरकारी संस्थाओं और निजी संस्थानों में इन्हें रोजगार अथवा नौकरी दी जाएगी। आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने सभी विश्वविद्यालय और कॉलेजों को कहा है। वह रोजगार मूलक पाठ्यक्रम तैयार कर उसकी शिक्षा देने का काम शुरू करें। योग्यता के अनुसार युवाओं को नौकरी और रोजगार दिलाने में आंध्र प्रदेश की सरकार सहायता करेगी।

## हिमाचल प्रदेश में आपदा से निपटने सरकार की मदद करेगा विपक्ष

**शिमला।**

हिमाचल प्रदेश में इन दिनों भीषण तबाही मची है। राज्य सरकार को अब नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने समर्थन देने का ऐलान किया है। उन्होंने आपदा से घिरे लोगों को तत्काल राहत देने की मांग की है। साथ ही कहा कि विपक्ष हर संभव मदद करने के लिए राज्य सरकार के साथ खड़ा है। इससे पहले जयराम ठाकुर ने शिमला में आपदा प्रभावित इलाकों का दौरा किया था। उन्होंने आपदा में लापता लोगों के परिजनों से मुलाकात की। ठाकुर ने राहत कार्यों की समीक्षा की थी। उन्होंने राज्य सरकार से आपदा प्रभावित लोगों को तत्काल राहत देने के लिए जरुरी प्रबंध करने की मांग की है। उन्होंने राज्य सरकार से भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं से बचने और जानमाल के नुकसान को रोकने के लिए जरुरी कदम उठाने की भी मांग की। जयराम ठाकुर ने कहा कि विपक्ष सरकार को हर संभव मदद देने के लिए तैयार है। सरकार से अनुरोध है कि तलाशी अभियान में तेजी लाए ताकि लापता लोगों को जल्द से जल्द ढूंढा जा सके। उन्होंने आगे कहा कि सर्च ऑपरेशन के साथ-साथ आपदा में बचे लोगों की तत्काल मदद के लिए राहत शिविरों और आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की जानी चाहिए। मंडी और शिमला जिलों से चार शव मिलने के साथ ही राज्य के तीन जिलों में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ अब तक 13 लोगों की मौत हो गई है। कुल्लू के निरमंड, सैंज व मलाणा, मंडी जिले के पधर और शिमला के रामपुर उपखंड में बादल फटने की कई घटनाओं ने भारी तबाही मचाई। इन घटनाओं के बाद अब भी 40 से ज्यादा लोग लापता हैं।

## केजरीवाल को राहत नहीं, गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

### दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- जमानत के लिए आप जा सकते हैं ट्रायल कोर्ट

**नई दिल्ली।** दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को कोर्ट से राहत नहीं मिली है। दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने केजरीवाल की जमानत याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि वह जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट जा सकते हैं। हाईकोर्ट ने 17 जुलाई को केजरीवाल की उस याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था जिसमें कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी गई थी।

हाईकोर्ट ने सोमवार के आदेश में कहा कि यह नहीं कहा जा सकता कि गिरफ्तारी बिना किसी उचित कारण के की गई थी। जहां तक जमानत का सवाल है तो इसे ट्रायल कोर्ट में जाने की आजादी के साथ इस याचिका खारिज किया जाता है। कोर्ट ने केजरीवाल और सीबीआई के वकील की दलीलें सुनने के बाद 29 जुलाई को केजरीवाल की जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया था।

उनकी गिरफ्तारी को दिखावा बताते हुए केजरीवाल के वकील ने तर्क दिया था कि सीबीआई उन्हें गिरफ्तार नहीं करना चाहती थी और उनके पास उन्हें हिरासत में लेने के लिए कोई सामग्री भी नहीं थी और घटनाओं के अनुक्रम से यह साफ हो गया कि उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए गिरफ्तार किया गया था कि वह जेल में रहें। सीबीआई के वकील ने केजरीवाल की दोनों दलीलों का विरोध किया था और कहा था कि उनकी गिरफ्तारी को बीमा गिरफ्तारी कहना अनुचित था और कहा कि वह उत्पाद शुल्क घोटाले के सूत्रधार थे और अपराध में उनकी संलिप्तता दिखाने के लिए सबूत थे।

बता दें केजरीवाल को सीबीआई ने 26 जून को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था, जहां वह अभी भी ईडी द्वारा दायर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बंद हैं। सीएम केजरीवाल जिन्हें 21 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था, उनको 20 जून को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ट्रायल कोर्ट ने जमानत दे दी थी। हालांकि, ट्रायल कोर्ट के आदेश पर कोर्ट ने रोक लगा दी थी।

## बिहार के युवा 10वीं फेल लोगों के नेतृत्व में काम करना नहीं चाहते

### -प्रशांत किशोर ने एक जनसभा में कहा-जन सुराज युवाओं की जिद है

**पटना।**

राजनीति के पंडित प्रशांत किशोर ने एक जनसभा में जन सुराज के जरिए राजनीति में आने की न्यूनतम योग्यता पर बात कही। उन्होंने कहा कि ये तय करना जरुरी है कि बिहार के युवा 10वीं फेल लोगों के नेतृत्व में काम नहीं करना चाहते हैं। तेजस्वी यादव का नाम लिए बगैर पीके ने कहा कि याद रखिए, मैंने 10वीं फेल कहा है। 9वीं फेल नहीं कहा है।

बिहार की राजधानी पटना में युवा संवाद का आयोजन किया गया। इसमें प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज यहां के युवाओं की जिद है। जन सुराज हम लोगों का संकल्प भी है। जन सुराज एक व्यवस्था भी है। उन्होंने कहा कि जन सुराज एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें गरीब से गरीब घर का युवक यहां आकर समाज के लिए, बिहार के लिए कुछ करना चाहता है। समाज और राजनीति में सुधार के लिए और अपने बच्चों का भविष्य को बनाने कुछ करना चहता है तो आपको पैसे की चिंता नहीं करनी है। जाति की चिंता नहीं करनी है। चुनाव जीतने और हारने की चिंता नहीं करनी है। वह चिंता जनसुराज और अपने बेटे और भाई प्रशांत किशोर पर छोड़ दीजिए और बिहार को सुधारने के लिए खड़े हो जाइए। 21 महीनों से चल रहे जन सुराज अभियान को दो अक्टूबर को राजनीतिक दल बनाया है।

पीके ने कहा कि शैक्षणिक योग्यता को भी एक कंडिशन बनाया जाए। पिछले बैठक में 15 हजार लोगों की बैठक में सहमति नहीं बनीं थी। किसी ने कहा था बीए, किसे ने कहा दसवीं, फिर लोगों ने कहा नहीं भैया 12वीं, किसी ने कहा होना ही नहीं चाहिए। सारे लोग जरा सोचकर बताएं। क्या जन सुराज में पद के लिए, चुनाव लड़ने के लिए, पढ़ाई और डिग्री, क्वालीफिकेशन का क्राइटेरिया होना चाहिए या नहीं।

प्रशांत ने आगे कहा कि जब हम सभा करते हैं तो लोग कहते हैं, डिग्री क्वालीफिकेशन का क्राइटेरिया होना चाहिए और सभा खत्म होते ही कहते हैं नहीं होना चाहिए। अब आपने कहा पढ़ाई का क्राइटेरिया होना चाहिए। क्योंकि बिहार के लोग दसवीं फेल लोगों के नेतृत्व में काम करना नहीं चाहते। मैंने दसवीं फेल कहा है। नौवीं फेल नहीं कहा।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संपादकीय

### मौसम से सावधान

कश्मीर से कन्याकुमारी तक मौसम की मार साफ तौर पर प्रकट होने लगी है। मौसम जनित त्रासदियों का भी दुखद दौर तेज चल रहा है और देश पूरी मजबूती से प्रतिकूल स्थितियों का सामना कर रहा है। जगह-जगह जलभराव है और गंदगी का भी साम्राज्य है, तो सबसे बड़ी चिंता बढ़ती बीमारियों की है। जहां बारिश ज्यादा हुई है, वहां भी और जहां बारिश कम हुई है, वहां भी नाना प्रकार की बीमारियों का प्रकोप बढ़ने लगा है। राज्य सरकारें भी चिंतित हैं और केंद्र सरकार भी। सरकार ने भी यह मान लिया है कि इस वर्ष भारत में डेंगू के मामलों में वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुष्टि की है कि देश भर में अब तक 32,091 डेंगू मामले सामने आए हैं, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में बहुत अधिक हैं। वैसे तो डेंगू के मामले आम तौर पर अक्तूबर में चरम पर होते हैं, लेकिन इस साल के रुझान से पता चलता है कि 31 जुलाई, 2024 तक मामलों की संख्या पिछले साल के इसी समय की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक है। चिंता यह हो रही है कि क्या आने वाले दिनों में डेंगू के मामले बहुत बढ़ जाएंगे? केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नेशनल सेंटर फॉर वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया है कि इस साल जून में ही डेंगू का प्रकोप बढ़ गया था। डेंगू के कारण देश भर में 32 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जिनमें सबसे ज्यादा 22 मौतें केरल में हुई हैं। कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में भी मौतें हुई हैं। देश में डेंगू के प्रकोप की स्थिति की नियमित समीक्षा और निगरानी शुरू हो गई है। यह जरूरी है कि स्थिति का आकलन, तैयारी, तकनीकी मार्गदर्शन पर ध्यान दिया जाए और राज्यों को सचेत किया जाए। अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या बढ़ी है। दूसरी तरह के वायरल बुखार का भी प्रकोप बढ़ा है। अस्पतालों को अपने स्तर पर चाक-चौबंद रहने के साथ ही आम लोगों को भी सचेत रहना होगा। आसपास सफाई रखना और अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा का ध्यान रखना जरूरी है। यह बड़ा सवाल है कि बीमारियां क्यों बढ़ रही हैं? वैसे, जलवायु परिवर्तन ने भी दुनिया में बीमारियों को बढ़ावा दिया है। अगर हम केवल डेंगू की ही बात करें, तो दुनिया के अनेक देशों में यह फैल रहा है और उन देशों में कीटों-मच्छरों से लड़ाई भी तेज हो रही है। रोचक है कि एक स्पेनिश प्रयोगशाला डेंगू बुखार और अन्य बीमारियों से लड़ने के लिए हजारों टाइगर मच्छरों का प्रजनन और बंध्याकरण कर रही है। जलवायु परिवर्तन की वजह से कई प्रकार के आक्रामक कीटों को यूरोप में बढ़ावा मिला है। शायद भारत को भी ऐसी बीमारियों के खिलाफ बड़ी योजना बनाकर काम करना चाहिए। बहरहाल, भारत में एक चिंता जीका वायरस को लेकर भी है। संसद में भी यह बताया गया है कि सरकार ने जीका वायरस रोग के प्रबंधन के लिए एक कार्य योजना तैयार की है और देश में 22 जुलाई तक जीका वायरस से ग्रस्त मरीजों की संख्या 537 तक पहुंच गई थी। यह वायरस क्यों बड़ी चिंता की वजह बन रहा है? क्या इसके खिलाफ लड़ाई में हम कमजोर पड़ रहे हैं? जीका वायरस का प्रकोप महाराष्ट्र में ज्यादा है और इसे बाकी राज्यों में फैलने से रोकने के प्रबंध करने चाहिए। सरकार को जो कदम उठाना है, वह जरूर उठाए और साथ ही, लोगों को भी युद्ध स्तर पर जागरूक करना होगा।

## आज का राशिफल

**मेष** आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

**वृषभ** व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

**मिथुन** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

**कर्क** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**सिंह** पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

**कन्या** व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

**तुला** बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

**वृश्चिक** पारिवारिक कार्यो में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

**धनु** शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

**मकर** रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

**कुम्भ** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

**मीन** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखत व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

# न्याय से आशा एवं अहसास जगाते चन्द्रचूड़

(लेखक- ललित गर्ग)

50वें प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) डी.वाई. चंद्रचूड़ की न्याय प्रणाली विसंगतियों एवं विषमताओं से जुड़ी इस स्वीकारोक्ति ने हर संवेदनशील भारतीय के मन को छुआ कि अदालतों में लंबे समय से लंबित मामलों से तंग आकर लोग बस समझौता करना चाहते हैं। 'न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है' वाली इस बात को सभी महसूस करते हैं लेकिन न्यायिक व्यवस्था के शीर्ष पर आसीन मुख्य न्यायाधीश की स्वीकारोक्ति के गहरे निहितार्थ हैं। 'न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है।' लेकिन प्रधान न्यायाधीश के अनुसार लोग अदालतों में मुकदमों के लंबे खिंचने से इतने त्रस्त हो जाते हैं कि किसी तरह समझौता करके पिंड छुड़ाना चाहते हैं। प्रश्न यह है कि न्यायपालिका और विशेष रूप से सुप्रीम कोर्ट इसके लिए क्या करने जा रहा है, जिससे लोग न्याय प्रक्रिया से हताश-निराश होकर समझौता करने के लिए बाध्य न हों? दुर्भाग्य से यह प्रश्न दशकों से अनुत्तरित है। यह ठीक है कि सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश ने त्रस्त करने वाली न्याय प्रक्रिया को लेकर यह भी कहा कि यह स्थिति हम न्यायाधीशों के लिए चिंता का विषय है, लेकिन यदि इस समस्या का निदान नहीं होता तो फिर एक कटु सच्चाई बताने का क्या लाभ? जस्टिस चंद्रचूड़ ने काफी सधा हुआ बयान दिया है तो न्याय प्रणाली की कमियों को दूर करने के रास्ते उद्घाटित होने ही चाहिए।

निश्चित ही डी.वाई. चंद्रचूड न्याय-प्रक्रिया की कमियों एवं मुद्दों पर चर्चा करते रहे हैं तो उनमें सुधार के लिये जागरूक दिखाई दिये हैं। निश्चित ही उनसे न्यायपालिका में छाये अंधेरे सायों में सुधार रूपी उम्मीद की किरणें दिखाई देती रही है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में जहां वे पहले ही कई महत्त्वपूर्ण फैसलों के कारण चर्चा में रहे हैं वहीं अपनी बेबाक एवं सुधारमूलक टिप्पणियों से आम जनता की सराहना के पात्र बनते रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश के रूप में उन्होंने देश की न्यायपालिका के आमूल-चूल स्वरूप में परिवर्तन पर खुलकर जो विचार रखे हैं वे साहसिक एवं दूरगामी सोच से जुड़े होने के साथ आम लोगों की धारणा से मेल खाते हैं। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार सर्वोच्च प्राथमिकता होनी भी चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश ने स्वीकारा है कि कानून की इन स्थितियों में किसी तरह का समझौता समाज में पहले से व्याप्त असमानता को ही दर्शाता है। उन्होंने वादों के शीघ्र निपटान में लोक अदालतों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी स्वीकार किया। निस्संदेह, गाहे-बगाहे न्यायपालिका, कार्यपालिका व विधायिका द्वारा न्याय मिलने में होने वाली देरी को लेकर चिंता जरूर जतायी जाती है, लेकिन इस जटिल समस्या के समाधान की दिशा में बदलावकारी प्रयास होते नजर नहीं आते। जिसके चलते तारीख पर तारीख का सिलसिला चलता ही रहता है। न्याय के इंतजार में कई-कई पीढ़ियां अदालतों के चक्कर काटती रह जाती हैं। देश में शीर्ष अदालत, उच्च न्यायालयों और निचली अदालतों में मुकदमों का अंबार निश्चित रूप से न्यायिक व्यवस्था के लिये असहज एवं चुनौतीपूर्ण स्थिति है। बताया जाता है कि सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या लगभग 80 हजार है। उच्च न्यायालयों में इनकी संख्या 62 लाख के करीब है और निचली अदालतों में करीब साढ़े चार करोड़। इसका अर्थ है कि लगभग पांच करोड़ लोग न्याय के लिए प्रतीक्षारत हैं। इनमें से अनेक मामले ऐसे हैं, जो दशकों से लंबित हैं। स्वयं सुप्रीम कोर्ट में दशकों पुराने कई मामले लंबित हैं। देश में तीनों स्तरों पर लंबित मामले न्यायिक व्यवस्था के लिये एक गंभीर चुनौती है। आजादी के अमृत महोत्सव की चौखट पार कर चुके देश की इस त्रासद न्याय व्यवस्था के बाबत देश के नीति-नियंताओं को गंभीरता से विचार करना चाहिए। निश्चित ही भारत दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। लेकिन इतनी बड़ी आबादी के अनुपात में पर्याप्त न्यायाधीशों व न्यायालयों की उपलब्धता नहीं है। निश्चित रूप से न्याय का मतलब न्याय मिलने जैसा होना चाहिए। न्याय समाज में महसूस भी होना चाहिए। न्याय त्वरित गति से होता हुआ भी दिखना चाहिए। देश में न्याय की प्रक्रिया सहज व सरल तथा आम आदमी की पहुंच वाली होनी चाहिए। न्याय-व्यवस्था जिसके द्वारा न्यायपालिकाएं अपने कार्य-संचालन करती है वह अत्यंत महंगी, अतिविलंबकारी और अप्रत्याशित निर्णय देने वाली है। निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालत तक किसी भी मामले के निपटारे के लिए नियत अवधि और अधिकतम तारीखों की संख्या तय होनी ही चाहिए। जैसाकि अमेरिका में किसी भी मामले के लिये तीन वर्ष की अवधि निश्चित है। लेकिन भारत में मामले 20-30 साल चलना साधारण बात है। तकनीक का प्रयोग बढ़ाने और पुलिस द्वारा की जाने वाली विवेचना में भी सुधार जरूरी है। एक सक्षम न्यायिक नियुक्ति आयोग का गठन करके इन समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। उत्कृष्ट लोकतान्त्रिक देशों की तरह भारत की एक अत्यंत शक्तिशाली व स्वतंत्र न्यायपालिका है। न्यायपालिका केवल न्याय देने का ही काम नहीं करें, बल्कि सरकार की कमियों पर नजर रखना एवं उसे चेताना भी उसका दायित्व है।

न्याय व्यवस्था अभी तक औपनिवेशिक शिकंजे में जकड़ी हुई है। उच्चतर न्यायालयों की भाषा अंग्रेजी है तो अधिकांश निचली अदालतों की कार्रवाई और पुलिस विवेचना की भाषा उर्दू है। वह आम आदमी के पल्ले नहीं पड़ती। समय आ गया है कि यह सब आम आदमी की भाषा में हों। राज्यों की क्षेत्रीय भाषाओं में न्यायिक प्रक्रिया की मांग लंबे समय से की जाती रही है। इस दिशा में कुछ प्रयास हुए भी हैं लेकिन अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। जिससे तारीख पर तारीख का सिलसिला थम सके। उम्मीद की जा रही है कि हाल ही में लागू हुए तीन नये आपराधिक कानूनों के लागू होने के बाद स्थिति में सुधार हो सकेगा। केंद्र सरकार भी कहती रही है कि नये कानूनों का मकसद लोगों को सजा देने के बजाय न्याय दिलाने पर केंद्रित है। विश्वास किया जाना चाहिए कि इन प्रयासों से मुकदमों के निस्तारण में गति आएगी। देश की जनता उम्मीद लगाए बैठी है कि दशकों से लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण हो। जिससे न्यायिक प्रक्रिया से हताश-निराश लोग समझौता करने को बाध्य न हों। विश्वास किया जाना चाहिए कि मुख्य न्यायाधीश की चिंता के बाद न्यायिक प्रक्रिया को सरल-सुगम बनाने के लिये अभिनव पहल हो सकेगी। जिससे आम लोगों की समय पर न्याय मिलने की आस पूरी हो सकेगी।

इसके अलावा यह भी आवश्यक है कि सरकारें मुकदमेबाजी से बाज आएं, क्योंकि सबसे बड़ी मुकदमेबाज तो वे खुद हैं। नये तीन कानूनों के बाद मुकदमों की सुनवाई द्रुत गति से होगी, लेकिन देखना यह है कि ऐसा हो पाता है या नहीं? प्रश्न यह भी है कि आखिर करोड़ों लंबित मामलों का क्या होगा? ये वे प्रश्न हैं, जिनके उत्तर देश की जनता को चाहिए। जनता समस्याओं का उल्लेख नहीं, बल्कि उनका समाधान चाहती है।

इससे इनकार नहीं कि अपने देश में आबादी के अनुपात में न्यायालयों और न्यायाधीशों की पर्याप्त संख्या नहीं है और यह संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है, निचली अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक समस्त न्यायालयों को दो पालियों में चलाने का प्रावधान किया जाना चाहिए। नए न्यायालय भी स्थापित किए जाने चाहिए। न केवल न्यायाधीशों के रिक्त पदों को भरा जाना चाहिए, बल्कि जनसंख्या और लंबित मामलों का संज्ञान लेते हुए न्यायिक कर्मियों की नियुक्ति भी की जानी चाहिए। जस्टिस चंद्रचूड़ के ताजे वक्तव्यों में ऐसे ही सुधार को अपनाने के संकेत मिल रहे हैं, जो स्वागतयोग्य होने के साथ सराहनीय भी है। भारत को अपनी सामाजिक, सांस्कृतिक परिस्थिति और अपने गौरवपूर्ण इतिहास बोध के अनुसार एक वैकल्पिक न्याय तंत्र भी स्थापित करना चाहिए, किंतु जब तक यह नहीं होता वर्तमान व्यवस्था में ही कुछ आवश्यक सुधार करके हमें इसे समसामयिक, तीक्ष्ण, समयबद्ध और उपयोगी बनाए रखना चाहिए। न्याय सिर्फ होना ही नहीं चाहिये बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिये। भारत की सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था का भारतीयकरण होना चाहिए।

# नवनिर्माण का जरिया बने सामाजिक न्याय

जाति की राजनीति/ उमेश चतुर्वेदी

भारतीय समाज और राजनीति के लिए जाति एक ऐसा तत्व है, जिस पर सबसे ज्यादा विमर्श और वितंडा- दोनों होते रहे हैं। जाति को लेकर इन दिनों राजनीतिक परिधि में जो कुछ भी हो रहा है, उसे विमर्श तो कतई नहीं कहा जा सकता, बल्कि वह वितंडा है। मोदी की अगुआई वाले एनडीए को हर मुमकिन मोर्चे पर चुनौती देने की कोशिश में जुटा विपक्षी खेमा जहां जाति जनगणना की रट पर लगातार कायम है, वहीं केंद्र सरकार लगातार इसे सामाजिक स्वास्थ्य के लिए आसन्न खतरा मानते हुए इसे टालती रही है। इसी बीच संसद में भाजपा के नेता अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी की जाति पूछ ली। इसके बाद न सिर्फ कांग्रेस, बल्कि अखिलेश यादव का पूरा सियासी कुनबा इस सवाल पर क्षुब्ध है।

जाति व्यवस्था को सामाजिक कोढ़ बताने वालों का मानना था कि अगर विकास और आधुनिकता आएगी तो जाति व्यवस्था अपने आप टूट जाएगी। गांधी मानते थे कि अछूतोद्धार के जरिए समाज में बराबरी का संदेश जाएगा। जबकि अंबेडकर मानते थे कि सामाजिक विकास यात्रा में पीछे छूट गए लोगों को आरक्षण देकर पहले सबल बनाया जाना चाहिए। वह तबका सबल होगा तो जाति व्यवस्था में बराबरी का भाव आएगा। जबकि लोहिया सोचते थे कि पिछड़ों को आर्थिक रूप से ताकतवर बनाकर आगे लाया जाए तो सामाजिक समानता का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। कुछ ऐसी ही सोच दीनदयाल उपाध्याय की भी रही। लेकिन बहुजन आंदोलन के अगुआ कांशीराम इससे आगे निकल गए। उनकी मान्यता रही कि पिछड़े और दलितों को सत्ता मिल जाए तो जाति टूट जाएगी। मोटे तौर पर चारों वैचारिकी के आधार पर देखें तो जाति सामाजिक रूप से टूटती तो नजर आ रही है, लेकिन जैसे-जैसे आरक्षण की राजनीति अंबेडकर की बुनियादी सोच से आगे बढ़ने लगी, राजनीतिक रूप से जातियां अपने-अपने दायरे में और मजबूत होती गईं। जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी की सोच बढ़ने लगी। वोट बैंक की राजनीति ने इस प्रक्रिया को और बढ़ावा दिया। सत्ता के लिए बहुमत हासिल करने के लक्ष्य को लेकर लगातार सक्रिय राजनीति ने जातीय समूहों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश में उनकी मांगों को उछालना शुरू किया। हर राजनीतिक समूह अपने हिसाब से अपनी समर्थक जातियों की राजनीतिक मांगों को जायज ठहराने लगा। इस पूरी प्रक्रिया में सामाजिक रूप से जाति को तोड़ने की सोच पीछे छूटती चली गई। दिलचस्प यह है कि जब कोई जातीय समूह किसी खास राजनीतिक ताकत का साथ छोड़ने लगा तो उसके हक और अधिकारों की मांग उस राजनीतिक ताकत के लिए गौण होने लगी।

भारतीय संविधान में दलितों और आदिवासी समूहों के लिए आरक्षण की व्यवस्था करते वक्त डॉ. अंबेडकर ने इसे अनंतकाल तक चलाने से चेताया था। संविधान में शुरुआती दस साल के लिए ही आरक्षण की व्यवस्था रखी गई थी। आरक्षण का लक्ष्य अब हर जातीय समूह का जीवन-मरण का उद्देश्य बन गया है। जाति जनगणना की मांग जातीय समूहों को राजनीतिक समूहों द्वारा संतुष्ट करने की कोशिश है कि वह उसके इस जीवन-मरण के लक्ष्य के साथ खड़े हैं। अब चाहे गांधी रहे हों या अंबेडकर या फिर लोहिया या दीनदयाल, उनके विमर्श की गहराई से पड़ताल करेंगे तो उनके विचारों और सिद्धांतों का बुनियादी मकसद सत्ता की राजनीति नहीं, सामाजिक समानता के जरिए भारतीय समाज का निर्माण लगता है। लेकिन उनके नाम पर राजनीति करने वाले आधुनिक समूहों को देखिए तो समाजवादी धारा की मौजूदा राजनीति की प्रभावी ताकतों के पास भारतीय समाज बनाने का कोई ठोस सामाजिक कार्यक्रम नहीं दिखता। उनकी राजनीति की गहराई से पड़ताल करें तो उनमें जातीय उन्माद बढ़ाने और फैलाने का भाव ज्यादा नजर आता है। कांग्रेस की राजनीति अतीत में ऐसी अतिवादी नहीं रही है, लेकिन अब उसकी भी राजनीति उसी राह पर चल रही है। साफ लगता है कि जाति की राजनीति और जातियों को उनके दायरे में और बुलंद बनाने की प्रक्रिया को राजनीतिक सहयोग देने वाले राजनीतिक समूहों का एकमात्र मकसद सामाजिक बराबरी लाना नहीं है, बल्कि इन जातीय समूहों को आधार बनाकर खुद सत्ता हासिल करना है। खुलेआम जातीय राजनीति करने वालों को शायद यह पता नहीं है कि जिन सवर्ण जातियों के खिलाफ बाकी जातियों को गुस्से से भरने में वे मशगूल हैं, उन्हीं जातीय समूहों में कुछ ऐसी जातियां भी हैं, जिन्हें सवर्ण जातियों के बीच दोयम हैसियत रही है। ये मौजूदा जातीय विमर्श में पिछड़े नजर आते हैं। लेकिन सत्ता की राजनीति में मशगूल राजनीति को इस ओर ध्यान देने के लिए फुर्सत नहीं है। बेहतर होता कि इस नजरिए से भी राजनीति सोचती। सच तो यह है कि सामाजिक रूप से जब भी जाति व्यवस्था टूटने की ओर बढ़ने लगती है, राजनीति उसकी दरार को और बढ़ाने के लिए आगे आ जाती है। जाति पूछने को लेकर उठे राजनीतिक बवाल के बीच कुछ सवाल भी बनते हैं। राजनीति से उम्मीद की जाती है कि वह कम से कम जिस तरह वह खुद का व्यवहार करती रही है, वैसा व्यवहार वह दूसरों से भी करती है। उसके पास कोई विशेषाधिकार नहीं है कि वह सामने वाले को जाति के नाम पर जलील करे और अपनी जाति पर आ जाए तो चिढ़ जाए।

## विचार मंथन

# सारी दुनिया के शेयर बाजारों में हाहाकार, सबसे बड़ी आर्थिक मंदी की शुरुआत

(लेखक-सनत जैन)

दुनिया के लगभग सभी देशों में आर्थिक मंदी देखने को मिल रही है। नौकरियां खतरे में पड़ गई हैं। सारी दुनिया के देशों में महंगाई आसमान पर पहुंच रही है। काम धंधे कम होते चले जा रहे हैं। अमेरिकी फेडरल द्वारा ब्याज कम किए जाने के बाद दुनिया के सभी देशों के शेयर बाजार में हड़कंप मच गया है। भारतीय शेयर बाजार भी इससे अछूते नहीं रहे। शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुए थे। सोमवार को जैसे ही शेयर बाजार में कारोबार शुरू हुआ। मुंबई स्टॉक एक्सचेंज मे 2670 अंकों की गिरावट के साथ कारोबार शुरू हुआ। निफ्टी मे भी 820 अंकों की गिरावट के साथ कारोबार शुरू हुआ। भारतीय शेयर बाजार में सार्वजनिक क्षेत्र की वित्तीय संस्थाओं और बैंकों का भारी पैसा निवेश है। इस गिरावट का सबसे बड़ा असर बैंकों और वित्तीय संस्थानों को होने जा रहा है। शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण भारत के कई बैंक दिवालिया हो सकते हैं। भारत के बैंक भी ब्याज दरों को घटा सकते हैं। आर्थिक मंदी का प्रभाव सारी दुनिया के देशों में फैल गया है। अमेरिका से आर्थिक मंदी की जो शुरुआत हुई है। इसका असर बड़ी तेजी के साथ दुनिया के सभी देशों में फैल रहा है। अमेरिका की बेरोजगारी दर 4.3 फ़ीसदी से अधिक हो गई है। अमेरिका में यह 3 साल के सबसे उच्चतम स्तर पर है। अमेरिका की सरकार ने एक नई स्कीम भारतीयों के लिए निकाली है। जिसमें 2 करोड रुपए अमेरिका में निवेश करने पर 5 साल का वीजा मिलेगा। पति-पत्नी अपने साथ तीन लोगों को और भी काम के लिए ला सकते हैं। इस स्कीम में अमेरिका में कारोबार शुरू करने पर कम से कम पांच स्थानीय नागरिकों को रोजगार देने की शर्त लगाई गई है। अमेरिका ने 60000 भारतीयों को इस स्कीम का लाभ देने का प्रस्ताव किया है। भारत से वैसे भी पलायन कर विदेश जाने की होड़ लगी हुई है। नई स्कीम के बाद भारतीय नागरिक बड़ी संख्या में अमेरिका में जाकर कारोबार शुरू कर सकते हैं। वित्तीय रिसर्च संस्थान ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट एवं अन्य वित्तीय अर्थशास्त्रियों के अनुसार अमेरिका में मंदी की संभावना 15 फ़ीसदी से बढ़कर 25 फ़ीसदी होने की संभावना जताई जा रही है। ईरान और इजरायल के बीच में तनाव बढ रहा है। उससे तीसरे विश्व युद्ध की आशंका गहरा गई है। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध भी तेज हो गया है। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए दुनिया के सभी शेयर बाजार इससे प्रभावित हो रहे हैं। भारत में सोमवार को शेयर बाजारों में इसका बड़ा असर देखने को मिला है। जैसे ही कारोबार शुरू हुआ, मुंबई स्टॉक एक्सचेंज 2700 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज मे 820 अंकों की गिरावट दर्ज की गई। बाजार में मंदी की आशंका से निफ्टी के 50 शेयर वाले इंडेक्स के 48 शेयर तथा 30 शेयर वाले बीएससी इंडेक्स के सभी शेयरों में भारी गिरावट के साथ बिकवाली शुरू हुई। हिंडालको 4 फ़ीसदी गिरावट के साथ सबसे शीर्ष पर रहा। उसके बाद टाटा मोटर्स, श्रीराम फाइनेंस, ओएनजीसी, अदानी पोर्टस के शेयर भी भारी गिरावट के साथ बिकवाली हुई। दुनिया के सभी शेयर बाजारों की तुलना में भारतीय शेयर बाजार की हालत सबसे ज्यादा चिंताजनक है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय शेयर बाजार बेलगाम घोड़े की तरह सरपट भाग रहा था। भारत का शेयर बाजार मुनाफा वसूली के लिए सबसे अच्छा बाजार बना हुआ था। भारत के वित्तीय संस्थान, जिसमें बैंक और सरकारी क्षेत्र के संस्थानो ने बड़ी मात्रा में शेयर बाजार में निवेश किया हुआ है। म्युचुअल फंड के माध्यम से भी मध्यवर्ग का निवेश बड़े पैमाने पर शेयर बाजार में हुआ है। शेयर बाजार की इस गिरावट से भारत की अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान होने जा रहा है। 2008 में जो स्थिति अमेरिका की थी। वही स्थिति अब भारत की होने जा रही है। अर्थशास्त्रियों का मानना है, अभी तक डॉलर के मुकाबले रुपए का गिरना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए चिंताजनक माना जा रहा था। भारत को अपना निर्यात व्यापार बनाए रखने के लिए, भविष्य में रुपए का मूल्य घटाना पड़ सकता है। इस दोहरे संकट के कारण, भारत की अर्थव्यवस्था को संभालना बहुत मुश्किल होगा। दुनिया के सभी देशों की तुलना में भारत में सबसे ज्यादा टैक्स और शुल्क वसूल किये जा रहे हैं। आर्थिक मंदी की दशा में इसका प्रभाव आम जनता पर पड़ेगा। टैक्स और शुल्क से सरकार की आय कम होगी। सरकार को महंगाई नियंत्रित करने के लिए टैक्स कम करना पड़ सकता है। इसका असर सरकारी खजाने पर पड़ेगा। पिछले 10 वर्षों में भारत की जनता को जो बड़े-बड़े सपने दिखाए गए हैं। यदि उसके विपरीत स्थिति बनती है। तो भारत में महंगाई, बेरोजगारी और रोजगार के साथ-साथ कानून व्यवस्था की स्थिति भी खराब हो सकती है। आर्थिक मंदी के जो वेश्विक संकेत देखने को मिल रहे हैं, उससे भारत अछूता नहीं है।

## दाल की कीमतों में आई गिरावट

**नई दिल्ली ।** लगभग साल भर परेशान करने के बाद दाल की कीमतों में अब गिरावट देखने को मिल रही है। ऐसे में कहा जा रहा है कि आने वाले महीनों में दालों की कीमतों में और गिरावट आ सकती है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया है कि पिछले एक महीने से देश की विभिन्न मंडियों में दाल की कीमतों में गिरावट आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक चना, तुअर और उड़द जैसी दालों के दाम कम हो रहे हैं। जनवरी में दालों की खुदरा महंगाई दर 19.54 फीसदी पर थी, जो जून में कम होकर 16.07 फीसदी पर आ गई है। उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक अरहर दाल की खुदरा कीमतें कम होकर 160 रुपये किलो दर्ज की गई। जो कि एक महीने पहले की तुलना में 5.8 फीसदी कम है। इसी तरह मसूर दाल एक महीने पहले की तुलना में 10 फीसदी सस्ती होकर 90 रुपये किलो दर्ज की गई।

## आईईएक्स कारोबार की मात्रा जुलाई में 56 फीसदी बढ़ी

**नई दिल्ली ।** इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) ने जुलाई 2024 में अब तक का सर्वाधिक 13,25 करोड़ यूनिट (एमयू) का कुल कारोबार प्राप्त किया। यह पिछले साल की समान अवधि से 56 प्रतिशत अधिक है। आईईएक्स के बयान के अनुसार कुल व्यापार मात्रा में अक्षय ऊर्जा प्रमाणपत्र और ऊर्जा-बचत प्रमाणपत्र शामिल हैं। कंपनी ने अनुसार बिजली की मात्रा 1009.3 एमयू तक पहुंच गई, जो पिछले साल की तुलना में 29 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है। अक्षय ऊर्जा प्रमाणपत्र (आरईसी) में बढ़ोतरी देखी गई जिसकी मात्रा सालाना आधार पर 405 प्रतिशत बढ़कर 315 एमयू तक पहुंच गई। समीक्षाधीन माह में हरित बिजली की मात्रा 259 प्रतिशत बढ़कर एक अरब यूनिट हो गई। गौरतलब है कि 31 जुलाई 2024 को कारोबारी सत्र में 120 रुपये प्रति प्रमाण पत्र पर आरईसी बाजार ने अब तक का सबसे निचला मूल्य दर्ज किया। ये कीमतें संस्थाओं को अपने नवीकरणीय खरीद दायित्वों को पूरा करने और स्वैच्छिक ग्राहकों को उनकी स्थिरता आकांक्षाओं को पूरा करने का अवसर प्रदान करती हैं। डे-अहेड मार्केट (डीएएम) की मात्रा जुलाई 2024 में 27 प्रतिशत बढ़कर 505.6 एमयू हो गई। यह जुलाई 2023 में 397.6 एमयू थी। रियल-टाइम इलेक्ट्रिसिटी मार्केट (आरटीएम) की मात्रा जुलाई 2023 में 2,540 एमयू से बढ़कर जुलाई 2024 में 3,334 एमयू हो गई। यह सालाना आधार पर 31 प्रतिशत की वृद्धि दिखाती है।

## जापान के निक्की 225 में 1987 के बाद बड़ी गिरावट

**तोक्यो ।** जापान के शेयर सूचकांक निक्की 225 में सोमवार को भारी बिकवाली के कारण 10 प्रतिशत की गिरावट आई। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में नरमी के बीच यह गिरावट आई। सूचकांक निक्की सोमवार दोपहर तक 3,500 अंक से अधिक गिरकर 32,385.01 अंक पर आ गया। इसमें शुक्रवार को 5.8 प्रतिशत की गिरावट आई थी। दो कारोबारी सत्र की यह अभी तक की सबसे अधिक गिरावट रही। निक्की में अक्टूबर 1987 में 3,836 अंक की गिरावट आई थी जिसे ब्लैक मंडे करार दिया गया था। बैंक ऑफ जापान (बीओजे) के अपनी प्रमुख ब्याज दर बढ़ाने के बाद से तोक्यो में शेयर की कीमतों में गिरावट आई है।

# कर्नाटक के बाद टोयोटा महाराष्ट्र में लगाएगी विनिर्माण संयंत्र

**- कंपनी करेगी 20,000 करोड़ का निवेश**

**नई दिल्ली ।** कर्नाटक के बिडदी में दो विनिर्माण संयंत्र स्थो पित करने के बाद अब टोयोटा महाराष्ट्र में नया प्लांट लगाने पर विचार कर रही है। इसके लिए कंपनी करीब 20,000 करोड़ रुपये तक का निवेश करेगी। टोयोटा ने एक बयान में कहा कि महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर में एक नए विनिर्माण संयंत्र की स्थापना की पड़ताल के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कंपनी के पहले से ही बेंगलुरु के पास बिडदी में दो विनिर्माण संयंत्र मौजूद हैं, जिनकी मौजूदा उत्पादन क्षमता 3.42 लाख वाहनों की है। कर्नाटक में टोयोटा ने अपनी ग्रुप कंपनियों को मिलाकर 16,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया है और इससे करीब 86,000 नौकरियां पैदा हुई हैं। कंपनी ने हाल ही में महाराष्ट्र सरकार के साथ इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड कारों के निर्माण के समझौते पर हस्ताक्षर किए है। महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह प्रोजेक्ट वाहन क्षेत्र में क्रांति लाएगी। वहीं टीकेएम के एमडी और सीईओ मसाकाजू योशिमुरा ने कहा कि इस एमओयू के साथ हम भारत में विकास के अगले चरण में कदम रख रहे हैं। इससे हम लोकल और ग्लोबल लेवल पर गुणवत्तापूर्ण वाहनों के साथ जीवन को समृद्ध बनाने में योगदान दे सकेंगे। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र को बदलना, मराठवाड़ा का विकास करना! भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर्स महाराष्ट्र में एक नई विनिर्माण सुविधा शुरू करने के लिए तैयार है! छत्रपति संभाजीनगर के औरंगाबाद औद्योगिक शहर में मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी के लिए 850 एकड़ जमीन आवंटित की गई है।

## जुलाई में यात्री वाहनों की बिक्री 10 फीसदी बढ़ीः फाडा

**नई दिल्ली ।** नए मॉडल की पेशकश और बढ़ी हुई छूट से भारत में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री जुलाई में सालाना आधार पर 10 फीसदी बढ़ी। उद्योग निकाय फाडा ने सोमवार को यह जानकारी दी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार जुलाई में कुल यात्री वाहन खुदरा बिक्री बढ़कर 3,20,129 इकाई हो गई, जबकि जुलाई 2023 में यह 2,90,564 इकाई थी। फाडा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि डीलरों ने बताया कि उन्हें अच्छे उत्पाद उपलब्ध होने, आकर्षक योजनाओं और उत्पादों की व्यापक श्रृंखला से लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि भारी बारिश, उपभोक्ता भावना में कमी और तीव्र प्रतिस्पर्धा के कारण चुनौतियां उत्पन्न हुईं, लेकिन अधिक प्रचार तथा बढ़ी छूट के जरिये बिक्री को बनाए रखने में कामयाबी मिली। जुलाई में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 17 फीसदी बढ़कर 14,43,463 इकाई रही, जो जुलाई 2023 में 12,31,930 इकाई थी। वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री पिछले महीने सालाना आधार पर सात फीसदी बढ़कर 80,057 इकाई हो गई। हालांकि, जुलाई में ट्रैक्टर की बिक्री सालाना आधार पर 12 फीसदी घटकर 79,970 इकाई रह गई।

## देश की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 7-7.2 प्रतिशत बढ़ने की संभावनाः डेलॉयट

**नई दिल्ली ।** डेलॉयट इंडिया ने सोमवार को कहा कि मजबूत आर्थिक बुनियादी ढांचे और घरेलू नीति सुधारों में निरंतरता से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की अर्थव्यवस्था सात से 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। डेलॉयट के अगस्त माह के भारत आर्थिक परिदृश्य के अनुसार केंद्रीय बजट 2024-25 में कृषि उत्पादकता में सुधार, युवाओं के लिए रोजगार सृजन, विनिर्माण तथा सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए वित्त तक पहुंच की चुनौती का समाधान करने की दिशा में की गई कई पहलों से आपूर्ति पक्ष की मांग में सुधार, मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। डेलॉइट इंडिया की एक अर्थशास्त्री ने कहा कि वर्ष के पहले छह महीनों में अनिश्चितता के दौर के बाद भारत दूसरी छमाही में मजबूत वृद्धि दर्ज करेगा। आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा गया, मजबूत आर्थिक बुनियाद वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात प्रतिशत से 7.2 प्रतिशत के बीच रहेगी। शहरी-ग्रामीण उपभोक्ता व्यय अंतर, मुद्रास्फीति तथा रोजगार संबंधी चिंताओं से प्रभावी ढंग से निटपने से महत्वाकांक्षी ग्रामीण उपभोक्ताओं की सामर्थ्य में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। डेलॉइट इंडिया का वृद्धि अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुमान के बराबर है। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। यह वित्त मंत्रालय की आर्थिक समीक्षा में लगाए अनुमान से अधिक है, जिसमें जीडीपी विस्तार का अनुमान 6.5 से सात प्रतिशत के बीच लगाया गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है।

# शेयर बाजार टूटा , सेंसेक्स 2222 अंक नीचे आया

**निफ्टी 414 अंक फिसला**

**मुम्बई ।**

घूरेल शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट रही। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों विशेषकर अमेरिका के नीचे आने और बिकवाली हावी रहने से आई है। इससे निवेशकों में भय का माहौल छा गया जिससे विदेशी कोषों की निकासी होने लगी। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 2,393.77 अंक टूकर 78,588.19 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 414.85 अंक नीचे आकर 24,302.85 पर बंद हुआ। इससे निशेवकों के कई लाख करोड़ रुपये डूब गये

वहीं एशियाई बाजारों में भी काफी गिरावट रही। दक्षिण कोरिया, ताइवान और ऑस्ट्रेलिया सहित अन्य एशियाई बाजारों में 2.5 फीसदी से 7फीसदी तक की गिरावट देखी गई।

बाजार जानकारों के अनुसार येन के व्यापार में कमी, भू-राजनीतिक तनाव और विकसित अर्थव्यवस्थाओं में कथित मंदी जैसे कारकों के कारण भारतीय बाजार पर दबाव आया। इसके अलावा मुद्रास्फीति के मामले और सितंबर में फेडरल रिजर्व दर में कटौती की उम्मीदों से भी बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है हालांकि कहा जा रहा है कि बाजार इस कठिन दौर से उबर जाएगा। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जुलाई में महत्वपूर्ण निवेश के बाद इक्विटी में 1,027 करोड़ की बिक्री करते हुए अगस्त की शुरुआत में काफी सतर्कता बरती है।

**इससे पहले आज सुबह**

अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी और विदेशी निवेशकों की बिकवाली की आशंकाओं को देखते हुए वैश्विक बाजारों में बड़ी गिरावट की वजह से भारतीय शेयर बाजार खुलते ही टूट गये। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 2401.49 अंक गिरकर 78,580.46 पर पहुंच गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 489.65 अंक का गोता लगाकर 24,228.05 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, अदाणी पोर्ट्स, मारुति और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में सबसे ज्यादा गिरावट आई। शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली के बावजूद सन फार्मा और हिंदुस्तान यूनिलीवर बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे

# पेट्रोल, डीजल कारों की जगह स्वच्छ तकनीक की नीतिगत रूपरेखा का इंतजारः मारुति

**नई दिल्ली ।**

मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) के चेयरमैन आरसी भार्गव ने कहा है कि कंपनी एक ऐसी नीतिगत रूपरेखा का इंतजार कर रही है, जो सभी स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा दे, जिससे पेट्रोल और डीजल कारों के स्थान पर ऐसी पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने वाले वाहन आ जाएं। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कंपनी की सालाना रिपोर्ट में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए भार्गव ने कहा कि औद्योगिक वृद्धि के लिए नीतियों में स्थिरता और पूर्वानुमानित कार्य वातावरण की आवश्यकता होती है। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार बुनियादी ढांचे के निर्माण, राजकोषीय विवेक बनाए रखने, मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने, विनिर्माण को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने वाले सुधारों को लागू करने और निजी क्षेत्र पर भरोसा करने पर अपना जोर जारी रखेगी। भार्गव ने रिपोर्ट में कहा` कि कुछ लोगों का मानना है कि आपकी कंपनी इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में धीमी रही है। हमने राष्ट्रीय उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अधिक विविध दृष्टिकोण अपनाने का फैसला किया और अपने सभी अंडे एक ही टोकरी में नहीं रखना चाहते थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने भी स्वीकार किया है कि भारत में विभिन्न प्रौद्योगिकियों के उपयोग की आवश्यकता है। भार्गव ने कहा` कि उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों ने इस दिशा में पहले ही कदम उठा लिए हैं। अब हम एक ऐसे नीतिगत ढांचे का इंतजार कर रहे हैं जो उन सभी तकनीकों को बढ़ावा देगा जिनके परिणामस्वरूप पेट्रोल और डीजल कारों को अन्य तकनीकों का उपयोग करने वाली कारों द्वारा प्रतिस्थापित किया जा सके।

## देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर में जुलाई में हल्की गिरावट

**नई दिल्ली।** देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर जून की तुलना में जुलाई में थोड़ी धीमी देखी गई। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.3 रही जबकि जून में यह 60.5 थी। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि जुलाई में सेवा क्षेत्र की गतिविधि थोड़ी धीमी गति से बढ़ी, नए कारोबार में और वृद्धि हुई जो मुख्य रूप से घरेलू मांग से प्रेरित रही। सेवा कंपनियां आने वाले वर्ष के लिए आशावादी हैं। सितंबर 2014 में इस सर्वेक्षण की शुरुआत के बाद से नए निर्यात ठेकों में तीसरी सबसे तेज वृद्धि हुई है, जिसका कारण दुनिया भर से भारतीय सेवाओं की मांग में वृद्धि है। निर्यात ठेकों की प्रमुख मांग ऑस्ट्रिया, ब्राजील, चीन, जापान, सिंगापुर, नीदरलैंड और अमेरिका से रही। सर्वेक्षण में कहा गया है कि अनुकूल आर्थिक स्थिति और उत्पादन के प्रति आशावादी उम्मीदों ने सेवा कंपनियों में भर्ती को बढ़ावा दिया। इस बीच एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स जुलाई में 60.7 रहा, जो जून में 60.9 था। एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 सेवा क्षेत्र की कंपनियों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

# एनसीएलएटी से राहत के बाद भी बायजू के फाउंडर रवींद्रन पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

**- बायजूस को अमेरिकी कर्जदाता की तरफ से एनसीएलएटी के आदेश के खिलाफ याचिका दायर करने की आशंका**

**नई दिल्ली ।**

कर्ज के संकट का सामना रही स्टार्टअप फर्म का मामला सुलझता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। 2 अगस्त को ही एडटेक को राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण (एनसीएलएटी) से राहत मिली थी, लेकिन अब बायजूस के फाउंडर बायजू रवींद्रन ने सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका दायर कर दी है। रवींद्रन को अपने अमेरिकी कर्जदाता की तरफ से एनसीएलएटी के आदेश के खिलाफ याचिका दायर करने की आशंका है, ऐसे में उन्होंने पहले ही सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला कर लिया।

गौरतलब है कि एनसीएलएटी ने बायजूस की पैरेंट कंपनी थिंक ऐंड लर्न के खिलाफ चल रही दिवालिया कार्यवाही प्रक्रिया पर 2 अगस्त को रोक लगा दी थी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ बायजू रवींद्रन के समझौते को भी मंजूर कर लिया था। जिसके बाद बैजू रवींद्रन सहित कंपनी के प्रमोटर्स को फिर से फर्म का नियंत्रण मिल गया।

जिस दिन एनसीएलएटी का फैसला आया उसी दिन ही खबर मिली कि अमेरिकी फर्म ग्लास ट्रस्ट ने एनसीएलएटी से अपील की है कि बायजू की दिवाला कार्यवाही को रद्द न किया जाए। अमेरिका की फर्म भारत के कोर्ट से यह अपील इसलिए की थी क्योंकि ग्लास ट्रस्ट का दावा है कि उसके कर्जदाताओं ने बायजू को 1 अरब डॉलर का कर्ज दिया था और अभी बायजू की जो स्थिति है, यह मुश्किल ही लगता है कि वह खुद से कर्ज चुका पाएगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बायजू रवींद्रन ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है और कोर्ट से अपील की है कि बायजू के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही को रद्द करने के एनसीएलएटी के आदेश के खिलाफ अमेरिकी कर्जदाताओं की तरफ से दायर की जाने वाली याचिका पर कोर्ट के फैसले से पहले सुनवाई की जाए।

# इनकम टैक्स रिफंड के नाम पर धोखाधड़ी का खेल शुरू, रहें सावधान

**आपके मोबाइल पर आयकर रिफंड का मैसेज आए तो क्लिक ना करें वरना बैंक खाता हो जाएगा खाली**

**नई दिल्ली ।**

अब इनकम टैक्स रिफंड के नाम पर धोखाधड़ी का खेल शुरू हो गया है। ऐसे में उन तमाम टैक्सपेयर्स को सतर्क रहने की जरूरत है जिन्होंने आईटीआर दाखिल किया है। आयकर रिफंड के नाम पर हाईटेक ठगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

साइबर ठग, टैक्सपेयर्स के मोबाइल पर फर्जी आयकर रिफंड का मैसेज भेज रहे हैं। इन मैसेज में आयकर रिफंड की रकम जारी करने के लिए यूजर्स को एक लिंक पर क्लिक करने को कहा जा रहा है। टैक्सपेयर्स द्वारा इस फर्जी लिंक पर क्लिक करते ही उनके बैंक अकाउंट से पैसे निकाले जा रहा हैं। आयकर विभाग ने करोड़ों टैक्सपेयर्स को साइबर ठगों की इस जालसाजी से सावधान किया है।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने आयकर रिफंड के नाम पर किसी तरह की लिंक पर क्लिक नहीं करने की सलाह दी है, साथ ही किसी भी सूरत में मोबाइल पर आए ओटीपी, पैन कार्ड व अन्य महत्वपूर्ण जानकारी साझा नहीं करने को कहा है। वहीं साइबर सेल ने भी आईटीआर के नाम पर आ रहे इस तरह के मैसेज को लेकर लोगों को आगाह किया है। साइबर क्राइम पुलिस ने कहा कि इस तरह के मैसेज बैंक धोखाधड़ी के नए हथकंडे हैं इसलिए आप सावधान रहें और अपने परिचितों को भी सतर्क करें।

# अमेरिकी चिंगारी से भारत में निवेशकों के 17 लाख करोड़ रुपये स्वाहा

**नई दिल्ली ।**

अमेरिका ने शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद नौकरी से जुड़े आंकड़े जारी किए। इसके मुताबिक देश में जुलाई में लोगों को उम्मीद के मुताबिक नौकरियां नहीं मिली और बेरोजगारी दर तीन साल के शीर्ष पर पहुंच गई। इससे अमेरिका में फिर मंदी की आशंका तेज हो गई है। सोमवार को दुनियाभर के शेयर बाजारों में इसका असर दिख रहा है। भारत में बीएसई सेंसेक्स में कारोबार के दौरान करीब 2,600 अंक की गिरावट आई और निवेशकों के 17 लाख करोड़ रुपये एक झटके में स्वाहा हो गए।

जापान के शेयर मार्केट में इतिहास की सबसे बड़ी गिरावट दिखाई दी है। बेंचमार्क निक्केई 225 इंडेक्स 4,451 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। यह अंक के हिसाब से इसकी अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। जापान और साउथ कोरिया में भारी गिरावट के बीच कुछ समय के लिए ट्रेडिंग रोकनी पड़ी। एशिया-पैसिफिक के दूसरे बाजारों में भी भारी गिरावट देखने को मिली। कोरिया एक्सचेंज के बेंचमार्क कोस्पी में आठ फीसदी से ज्यादा गिरावट के बाद कुछ देर के लिए ट्रेडिंग रोकनी पड़ी। ताइवान का ताइपे इंडेक्स भी 8.4 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जो इसकी अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। हॉन्ग कॉन्ग के हैंगसैंग इंडेक्स में 2.6 प्रतिशत और चीन के शंघाई में 1.2 प्रतिशत गिरावट आई है। शुक्रवार को अमेरिकी शेयर बाजार में भी भारी गिरावट देखने को मिली। जॉब्स के निराशाजनक आंकड़ों से अमेरिकी इकॉनमी के कमजोर पड़ने की आशंका बन रही है।

# जोमेटो ने मार्च तक ग्राहकों से मंच शुल्क के रूप में 83 करोड़ जुटाए

**नई दिल्ली ।**

ऑनलाइन ऑर्डर पर खाने पीने की चीजें पहुंचाने वाले मंच जोमैटो ने इस साल मार्च तक ग्राहकों से मंच शुल्क के रूप में 83 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी की सालाना रिपोर्ट में यह बात कही गई है। जोमैटो ने पिछले साल अगस्त में प्रत्येक ऑर्डर पर मंच शुल्क लेना शुरू किया था। मंच शुल्क को जोमैटो के समायोजित राजस्व को बढ़ाने वाले तीन प्रमुख कारकों में से एक बताया गया है। कंपनी की आमदनी पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में सालाना आधार पर 27 प्रतिशत बढ़कर 7,792 करोड़ रुपये हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि जीओवी (सकल ऑर्डर मूल्य) के प्रतिशत के रूप में समायोजित राजस्व में वृद्धि जारी रही, जिसका मुख्य कारण रेस्तरां कमीशन दरों में वृद्धि, विज्ञापन मौद्रिकरण में सुधार और पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही से प्लेटफॉर्म शुल्क की शुरुआत है। इसमें कहा गया है कि इन सभी कारकों ने गोल्ड ऑर्डरों पर उपलब्ध मुफ्त डिलीवरी लाभ के कारण प्रति ऑर्डर ग्राहक डिलीवरी शुल्क में कमी की भरपाई कर दी। जोमैटो की रिपोर्ट के अनुसार दिलचस्प बात यह है कि पिछले वित्त वर्ष में देर रात के अधिकांश ऑर्डर दिल्ली एनसीआर से आए थे, जबकि नाश्ते के अधिकांश ऑर्डर बेंगलुरु से आए थे। कंपनी ने पिछले अगस्त में दो रुपये प्रति ऑर्डर मंच शुल्क लेना शुरू किया था, जिसे अब प्रमुख बाजारों में धीरे-धीरे बढ़ाकर छह रुपये कर दिया गया है। जोमैटो की प्रमुख प्रतिद्वंद्वी स्विगी भी प्रत्येक ऑर्डर पर मंच शुल्क लेती है।

# पेरिस ओलंपिक : स्वर्ण से दो जीत दूर भारतीय हॉकी टीम, सेमीफाइनल में जर्मनी की चुनौती

**पेरिस (एजेंसी)।** ओलंपिक में 44 साल बाद स्वर्ण पदक जीतने की राह पर भारतीय हॉकी टीम के सामने मंगलवार को सेमीफाइनल में विश्व चैम्पियन जर्मनी की चुनौती होगी और इस बाधा को पार करके टीम 'संकटमोचक' पी आर श्रीजेश को शानदार विदाई देने के अपने मिशन की अगला कदम रखेगी। ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में 10 खिलाड़ियों तक सिमटने के बावजूद भारतीय टीम ने जिस साहस और कौशल का प्रदर्शन करके मुकाबला पेनल्टी शूटआउट तक खिंचा, वह काबिले तारीफ है।

तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक मैच में जर्मनी की पेनल्टी बचाकर भारत को 41 साल बाद पदक दिलाने वाले नायक श्रीजेश एक बार फिर जीत के सूत्रधार बने। उन्होंने शूटआउट में ब्रिटेन के दो शॉट बचाए और इससे पहले निर्धारित समय के भीतर भी ब्रिटेन ने 28 बार भारतीय गोल पर हमला बोला और 10 पेनल्टी कॉर्नर बनाए लेकिन महज एक सफलता मिली। 36 वर्ष के श्रीजेश का यह आखिरी टूर्नामेंट है और उन्हें स्वर्ण पदक के साथ विदा करने का मिशन भारतीय टीम के लिए अतिरिक्त प्रेरणा बना है।

### 1980 में मॉस्को में जीता था गोल्ड

भारत ने आठ ओलंपिक स्वर्ण में से आखिरी 1980 में मॉस्को में जीता था और अब पेरिस में उसके पास 44 साल बाद इतिहास रचने का मौका है। सेमीफाइनल जीतने पर भारत का रजत तो पक्का हो जाएगा जो आखिरी बार उसने 1960 में रोम में जीता था। ब्रिटेन के खिलाफ भारत ने करीब 40 मिनट 10 खिलाड़ियों के साथ खेला क्योंकि अमित रोहिदास को रेडकार्ड दिखाया गया था।

सेमीफाइनल से बैन हुए अमित रोहिदास की कमी खलेगी

सेमीफाइनल में भी भारत को अपने नंबर एक फर्स्ट रशर के बिना ही खेलना होगा जिन पर एक मैच का प्रतिबंध लगाया गया है। हॉकी इंडिया ने हालांकि इसके खिलाफ अपील की है। रोहिदास की गैर मौजूदगी भारत को पेनल्टी कॉर्नर में भी खलेगी क्योंकि कप्तान हरमनप्रीत सिंह के बाद वह भारत के ड्रैग फ्लिक विशेषज्ञ हैं। उनकी गैर मौजूदगी में अब हरमनप्रीत पर अतिरिक्त दबाव रहेगा जो शानदार फॉर्म में हैं और अब तक 7 गोल कर चुके हैं। आधुनिक हॉकी में भारतीय डिफेंस का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था और जैसा कि कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा कि यह जीत नहीं एक 'स्टेटमेंट' था।

श्रीजेश ने मैच के बाद कहा, 'जब मैं मैदान पर उतरा तो मेरे सामने दो ही विकल्प थे। यह मेरा आखिरी मैच हो सकता था या मेरे पास दो मैच और खेलने के मौके होते। अब मेरे पास दो मैच और खेलने के मौके हैं।' हरमनप्रीत ने कहा, 'कुछ चीजें हमारे हाथ में नहीं होती। सेमीफाइनल में अमित का नहीं होना खलेगा लेकिन हमारा फोकस मैच पर और अपने प्रदर्शन पर है। क्वार्टर फाइनल में आखिरी मिनट तक हर खिलाड़ी ने अमित की कमी पूरी करने की कोशिश की।'

### भारत-जर्मनी का एक दूसरे के खिलाफ रिकॉर्ड

विश्व रैंकिंग और एक दूसरे के खिलाफ रिकॉर्ड को देखें तो मौजूदा विश्व चैम्पियन और चार बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता जर्मनी और भारत में ज्यादा फर्क नहीं है। जर्मनी विश्व रैंकिंग में चौथे और भारत पांचवें स्थान पर है। क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना को

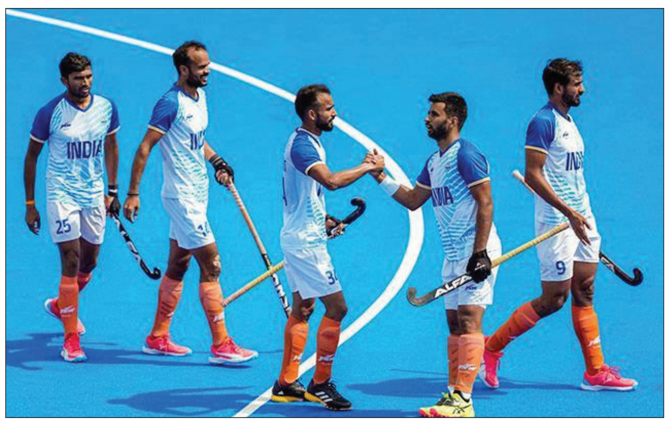

हराने वाली जर्मनी का सामना भारत से तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक के मैच में हुआ था जिसमें भारत ने 5-4 से जीत दर्ज की थी। श्रीजेश ने आखिरी सेकंड में पेनल्टी कॉर्नर बचाया था।

ओलंपिक से पहले भारत ने जर्मनी से अभ्यास मैच खेले थे और छह में से पांच जीते। इस साल जून में एफआईएच प्रो लीग के लंदन चरण में भारत ने जर्मनी को 3-0 से हराया लेकिन रिटर्न मैच में 2-3 से हार गए। हरमनप्रीत ने कहा, 'हम जर्मनी से फाइनल में खेलना चाहते थे। हमने टीम बैठकों में भी इस पर बात की थी। वह कठिन प्रतिद्वंद्वी है और उसके खिलाफ मैच आखिरी मिनट तक जाते हैं।' दूसरे सेमीफाइनल में नीदरलैंड का सामना स्पेन से होगा। भारत का मैच रात 10-30 पर खेला जाएगा।

# हरभजन ने पाक प्रशंसक को करारा जवाब दिया

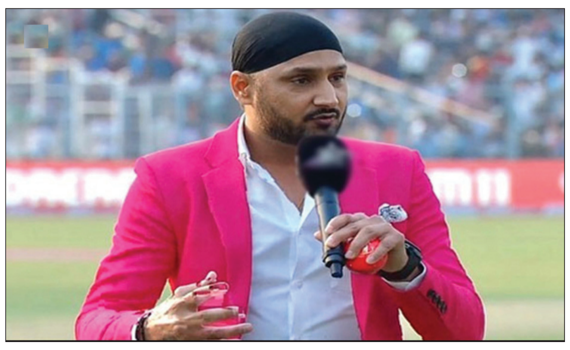

**लाहौर (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने एक पाकिस्तानी प्रशंसक को करारा जवाब दिया है। ये पाक प्रशंसक इरफान पठान की मजाक उड़ा रहा था। हरभजन ने हाल ही में एक पाकिस्तानी पत्रकार को मोहम्मद रिजवान की तुलना महेन्द्र सिंह धोनी से करने पर भी कड़ी फटकार लगायी थी। वहीं अब अब उन्होंने इरफान को ट्रोल कर रहे एक पाक प्रशंसक को जमकर फटकारा है। ये मामला एसक वीडिया को है इसमें पाक के बल्लेबाज बाबर आजम मैच के बाद ड्रेसिंग रूम में जाते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के साथ लिखा गया है कि जब इरफान पठान ने बाबर आजम से साक्षात्कार लिए कहा तो उन्होंने मना कर दिया। हालांकि इस वीडियो में कहीं भी इरफान नजर नहीं आ रहे हैं।

हरभजन ने इस पोस्ट का जवाब देते हुए लिखा, इस वीडियो में इरफान कहां हैं। साथ ही कहा कि आपको बोलन का ढ़ंग तो था नहीं। वहीं अब लगता है कि आंखों से दिखना भी बंद हो गया है। अगर कोई सवाल तुम लोगों से अंग्रेजी में पूछें तो समझ में आयेगा। हरभजन के इस कमेंट की कई लोगों ने सराहना की है। वहीं कई लोगों को कहना है कि उन्हें ऐसा नहीं कहना चाहिये था क्योंकि वह एक स्टार खिलाड़ी हैं।

# ऋषभ, ईशांत और ललित दिल्ली टी20 प्रीमियर लीग में खेलते दिखेंगे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 17 अगस्त से यहां होने वाली दिल्ली टी20 प्रीमियर लीग में खेलेंगे। ऋषभ को इस लीग के लिए दिल्ली 6 फ्रेंचाइजी ने अपनी टीम में शामिल किया है। इस टीम में ऋषभ के अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा भी खेलेंगे।

दिल्ली टी20 प्रीमियर लीग 17 अगस्त से शुरु होकर सितंबर तक चलेगी। इसका फाइनल 8 सितंबर को खेला जाएगा। इस इस लीग में ऑलराउंडर ललित यादव भी खेलेंगे। वहीं ऑलराउंडर के तौर पर शिवम शर्मा हैं को रखा है। इस फ्रेंचाइजी ने ऑफ स्पिनर अर्पित राणा और तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को भी अपने साथ रखा है।

इस लीग के सभी मैच नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे। टी20 लीग के उद्घाटन सीजन में कुल 40 मैच होंगे इसमें 33 पुरुष और 7 महिलाएं हैं। इसमें पुरुष वर्ग में 33 और महिला वर्ग में 7 मैच शामिल हैं। इस लीग के लिए हुए ड्राफ्ट में दिल्ली के 270 क्रिकेटर शामिल थे, जिनमें राष्ट्रीय, आईपीएल, राष्ट्रीय और अंडर-19 टीमों में खेलने वाले खिलाड़ी भी शामिल हैं.

पुरानी दिल्ली 6 टीम इस प्रकार है- ऋषभ पंत, ईशांत शर्मा, ललित यादव, अर्पित राणा, शिवम शर्मा, प्रिंस यादव, मयंक गुसाईं, सनत सांगवान, अंकित भदाना, युग गुप्ता, केशव दलाल, आयुष सिंह, कुश नागपाल, सुमित छीकरा, अर्णव बग्गा, वंश बेदी, मंजीत यश भारद्वाज, संभव शर्मा।

# विजेता की तरह खेलो और स्वर्ण तुम्हारा है, पाक हॉकी दिग्गज की भारतीय टीम को सलाह

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के प्रदर्शन से प्रभावित पाकिस्तान के महान सेंटर फॉरवर्ड हसन सरदार ने हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम को एक ही सलाह दी है, 'विजेता की तरह खेलो और तुम्हें स्वर्ण जीतने से कोई नहीं रोक सकता।'

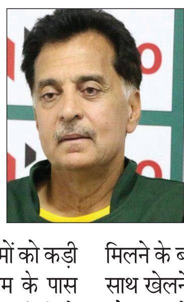

लॉस एंजिलिस ओलंपिक 1984 में पाकिस्तान को स्वर्ण पदक दिलाने में सूत्रधार रहे सरदार ने कहा, 'जब हॉकी या क्रिकेट में पाकिस्तान नहीं खेल रहा होता है तो मैं हमेशा भारत का समर्थन करता हूं। यह भारत की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से है जिसमें काफी सुधार आया है और जो यूरोपीय टीमों को कड़ी टक्कर दे रही है।' उन्होंने कहा, 'इस टीम के पास 1980 के बाद ओलंपिक हॉकी में पहला स्वर्ण जीतने का सुनहरा मौका है और मुझे लगता है कि वे जीतेंगे।'

### इस यकीन के साथ सेमीफाइनल में उतरें

उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके प्रदर्शन से मैं काफी प्रभावित हुआ। भारतीय टीम अच्छी है और उसे दिमाग में यह बिठाकर खेलना है कि हम जीत सकते हैं। इस स्तर पर मानसिक तैयारी का ही फर्क होता है।' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1984 ओलंपिक सेमीफाइनल की अपनी तैयारियो को याद करते हुए 66 वर्ष के पूर्व कप्तान ने कहा, 'हमने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। टीम बैठकों में हमने इस पर बात की और हमें यकीं था कि हम उन्हें हरा सकते हैं। भारत को भी यह यकीन लेकर सेमीफाइनल में जर्मनी के खिलाफ उतरना होगा।'

भारतीय टीम ने रविवार को क्वार्टर फाइनल में अमित रोहिदास को रेडकार्ड मिलने के बाद लगभग 40 मिनट दस खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद पेनल्टी शूटआउट में ब्रिटेन को 4-2 से हराया। दिल्ली एशियाई खेल 1982 के फाइनल में हैट्रिक लगाकर भारत के खिलाफ पाकिस्तान की 7-1 से जीत के नायक रहे सरदार ने कहा, 'दस खिलाड़ियों के साथ खेलना हमेशा कठिन होता है लेकिन भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। खासकर कप्तान जबर्दस्त फॉर्म में है। इस जीत से उनका मनोबल काफी बढ़ा होगा और अब उन्हें बस स्वाभाविक खेल दिखाना है।'

उन्होंने कहा, 'हमने जब भारत को एशियाई खेलों के फाइनल में भारत में हराया था तो हमारा फोकस बढ़त बनाने और उसे दुगुनी करने पर था। दोनों टीमें अच्छा खेली लेकिन हम खुशकिस्मत थे कि इतने गोल कर सके।' भारत ने आखिरी बार ओलंपिक स्वर्ण 1980 में मॉस्को में और आखिरी रजत 1960 में रोम ओलंपिक में जीता था। अब पेरिस में उनके पास इतिहास रचने का मौका है।

### जर्मनी को जवाबी हमले या वापसी का मौका कतई नहीं दें

जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल के लिए उन्होंने भारत को सलाह दी है कि उसे जवाबी हमले या वापसी का मौका कतई नहीं दें। उन्होंने कहा, 'जर्मन टीम काफी कठिन प्रतिद्वंद्वी है। वे जबरदस्त वापसी करते हैं और शारीरिक रूप से बहुत मजबूत हैं। आप उन्हें शॉर्ट पास से ही हरा सकते हैं। पहला गोल करना जरूरी है और उन्हें वापसी से रोकना भी। भारतीय डिफेंस काफी मजबूत है और मुझे यकीन है कि वह ऐसा कर सकेगा।'

# बीसीसीआई को लगानी होगी शराब और तंबाकू से जुड़े उत्पादों के विज्ञापन पर रोक : स्वास्थ्य मंत्रालय

मुम्बई (ईएमएस)। अब आने वाले समय में भारतीय क्रिकेटर तंबाकू-शराब से जुड़े उत्पादों के विज्ञापन नहीं कर पायेंगे। देश में क्रिकेट मैचों के दौरान कई बार तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन अन्य उत्पादों के जरिए पेश किये जाते हैं पर अब केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसको लेकर बीसीसीआई को कदम उठाने को कहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि क्रिकेट स्टेडियमों में तंबाकू-शराब को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों पर रोक लगायी जाये। सरकार का मानना है कि कई युवा क्रिकेटरों को आदर्श मानते हैं और उनसे प्रभावित रहते हैं। ऐसे में इस प्रकार के विश्रापनों का उनपर विपरीत प्रभाव पड़ता है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस मामले में बीसीसीआई को एक पत्र भी लिखा है1 जिसमें अपनी चिन्ताएं जाहिर की हैं। इसमें कहा गया है कि बीसीसीआई को भारत के खिलाड़ियों और क्रिकेट प्रशंसकों को ध्यान में रखते हुए खेल को बढ़ावे देने के लिए नीतियां, रूपरेखा, दिशानिर्देश सही बनाने चाहिये जिससे आईपीएल जैसे क्रिकेट आयोजनों के दौरान कुछ जाने-माने क्रिकेटरों को तंबाकू या शराब से जुड़े विज्ञापन करते हुए देखना निराशाजनक हैं। ऐसें बीसीसीआई खिलाड़ियों को तंबाकू या शराब से जुड़े विज्ञापन को रोकने के लिए सकारात्मक कदम उठाये। बीसीसीआई को इन विज्ञापनों से करोड़ों रुपये की आय होती है। ऐसे में देखना है कि बोर्ड क्या कर्रवाई करता है।

# मनिका की अगुआई में भारत ने रोमानिया को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

पेरिस। स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा की अगुआई में भारत ने सोमवार को यहां पेरिस ओलंपिक की महिला टेबल टेनिस टीम स्पर्धा में अपने से ऊंची रैंकिंग वाले रोमानिया को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। भारत 2-0 से आगे चल रहा था लेकिन रोमानिया ने वापसी करते हुए 2-2 से बराबरी हासिल कर ली लेकिन निर्णायक मैच में मनिका ने जीत दर्ज करने टीम को जीत दिला दी। श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ ने युगल मैच में एडिना डायकोनू और एलिजाबेटा समारा पर 11-9, 12-10, 11-7 से जीत दर्ज करके मुकाबले की शुरुआत की। मनिका ने अपने से बेहतर रैंकिंग वाली बर्नाडेट जोक्स को 11-5, 11-7, 11-7 से हराया जिससे भारत ने अपने चौथे वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ 2-0 की बढ़त हासिल की। प्रतियोगिता में भारत को 11वीं वरीयता दी गई है। दूसरे एकल में पहला गेम जीतने के बाद श्रीजा यूरोपीय चैंपियन समारा से 2-3 (11-8 4-11 11-7 6-11 8-11) से हार गईं। श्रीजा की हार के बाद अर्चना और बर्नाडेट के बीच मुकाबला हुआ। बर्नाडेट ने पहला गेम 11-5 से जीत लिया लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने दूसरा गेम 11-8 से जीतकर बराबरी हासिल कर ली। बर्नाडेट ने अगले दो गेम 11-7, 11-9 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया और मुकाबला 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद मनिका ने एडिना को 3-0 (11-5, 11-9, 11-9) से हराकर भारत को अंतिम आठ में जगह दिलाई। क्वार्टर फाइनल में भारत का मुकाबला अमेरिका या जर्मनी से होगा। पिछले हफ्ते मनिका और श्रीजा दोनों ने ओलंपिक में व्यक्तिगत स्पर्धा में राउंड ऑफ 16 तक पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनकर टेबल टेनिस में इतिहास रचा था।

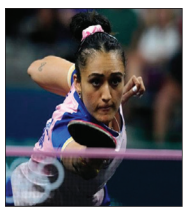

# अमेरिका के नोआ लाइल्स को स्वर्ण मिलने पर उठे सवाल

## -जमैका के थॉम्पसन का पैर पहले फिनिश लाइन पर पहुंचा

**पेरिस (एजेंसी)।** पेरिस ओलंपिक में अमेरिका के नोआ लाइल्स को पुरुष 100 मीटर के इवेंट में स्वर्ण मिलने पर सवाल उठने लगे हैं। इसका कारण है कि जमैका के किशन थॉम्पसन का पैर पहले लाइन के पार हुआ था। इस दौरान सभी धावकों की टाइमिंग तकरीबन बराबर रही।

इस जीत के साथ ही अमेरिका के नोआ दुनिया के सबसे तेज धावक बन गए हैं। वहीं थॉम्पसन दूसरे नंबर पर रहे। रेस समाप्त होने के बाद तक किसी को पता नहीं था कि विजेता कौन है। 100 मीटर की रेस में लाइल्स और थॉम्पसन ने तकरीबन एक साथ ही फिनिशिंग लाइन को पार किया था। इसके बाद स्वर्ण का फैसला रिप्ले में हुआ। इसमें पता चला कि लाइल्स 0.005 सेकंड से मुकाबला जीत गये हैं। फाइनल का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें स्वर्ण विजेता अमेरिका के लाइल्स से पहले थॉम्पसन का पैर फिनिशिंग लाइन को पार करते हुए दिखा है। इसके बाद सभी इससे हैरान हैं कि अमेरिकी धावक को कैसे विजेता घोषित कर दिया गया। नियम के अनुसार किसी भी रेस में फिनिशिंग लाइन को पहले बार करने वाला धावक विजेता माना जाता है। ऐसे में सवाल उठता है कि फिनिशिंग लाइन तो थॉम्पसन ने पार की फिर नोआ लाइल्स को कैसे जीता हुआ माना लिया गया। वहीं नियम के अनुसार धावक के पैर या हाथ के फिनिशिंग लाइन पार करने से दौड़ पूरी नहीं मानी जाती। ये तब पूरी मानी जाती है जब धावक का सीना फिनिश लाइन को पार कर ले।

# ट्रेनिंग की बजाय निजी कोचों के लिए दैनिक पास जुटाने में व्यस्त पहलवान

**पेरिस (एजेंसी)।** पेरिस ओलंपिक खेलगांव में पहुंची अधिकांश भारतीय महिला पहलवानों का समय ट्रेनिंग की बजाय अपने निजी कोचों और फिजियो के लिए दैनिक पास जुटाने में जा रहा है। विनेश फोगाट के साथ उनके कोच वोलेर एकोस और फिजियो अश्विनी पाटिल हैं जो भारतीय दल के आधिकारिक फिजियो भी हैं। उन्हें एक्रीडिटेशन मिला हुआ है जबकि बाहर रहने वाले बाकियों को खेलगांव में आने के लिए अनुमति चाहिए। अंतिम पंघाल (महिला 53 किलो), अंशु मलिक (महिला 57 किलो) और रीतिका हुड्डा (76 किलो) खेलगांव पहुंच चुकी हैं और उन्हें ट्रेनिंग के लिए निजी सहयोगी स्टाफ की जरूरत है। आईओए ने उनके सहयोगी स्टाफ को यात्रा की मंजूरी दे दी लेकिन सभी खेलगांव के बाहर हैं और उन्हें प्रवेश के लिए रोज पास की जरूरत होती है। एक सूत्र ने बताया, 'कुश्ती स्पर्धाएं सोमवार से शुरू हो रही हैं और ऐसे में जबकि खिलाड़ियों का फोकस ट्रेनिंग पर होना चाहिए, वे कोचों को दैनिक पास दिलाने में व्यस्त हैं। वे संबंधित लोगों को मदद के लिए फोन या ईमेल कर रहे हैं।' अंशु और रीतिका रविवार को खेलगांव पहुंचे। सूत्र ने कहा, 'अंशु कोशिश कर रही है कि उसके पिता धरमवीर यहां आ सके। वहीं अंतिम चाहती हैं कि भगत सिंह और विकास उनके साथ हो। उनकी सारी ऊर्जा इसी पर खर्च हो रही है।' रीतिका के कोच मनदीप भी पेरिस पहुंच गए हैं लेकिन उनका पूरा फोकस तैयारी पर है। सूत्र ने कहा, 'रीतिका और अमन का पूरा फोकस तैयारी पर है। वे भी चाहते हैं कि उनके कोच साथ में हों लेकिन वे अपनी तैयारियों पर असर नहीं पड़ने दे रहे।' आईओए के एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें समझ में नहीं आता कि पहलवान राष्ट्रीय कोचों पर भरोसा क्यो नहीं करते। उन्होंने कहा, 'जगमंदर सिंह और वीरेंदर दहिया जैसे राष्ट्रीय कोच भी वहां हैं। अगर हर किसी को निजी स्टाफ चाहिए तो राष्ट्रीय कोचों की क्या जरूरत है। पता नहीं इन्हें राष्ट्रीय कोचों पर भरोसा क्यो नहीं है।'

# पहली बार एसए 20 में खेलते नजर आयेंगे बेयरस्टो

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में अगले साल की शुरुआत में होने वाले एसए 20 क्रिकेट लीग के लिए नीलामी अभी शुरु नहीं हुई है पर दो टीमों जोहांसबर्ग सुपर किंग्स और पार्ल रॉयल्स ने खिलाड़ियों को रिटेन करना शुरु कर दिया है। इंग्लैंड के क्रिकेटर जॉनी बेयरस्टो इस बार पहली बार एसए 20 में खेलते हुए दिखेंगे। वह जोबर्ग सुपर किंग्स की टीम से जुड़े हैं। जोबर्ग सुपर किंग्स पिछले सत्र में क्वालीफायर तक का पहुंची थी। वहीं क्वालीफायर में जोबर्ग सुपर किंग्स को डरबन सुपर जायंट्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। एक रिपोर्ट के अनुसार जोबर्ग सुपर किंग्स ने फाफ डु प्लेसिस, गेराल्ड कोएत्जी, और डोनोवान फरेरा को अपनी टीम में वहीं पार्ल रॉयल्स ने तबरेज शम्सी को डेयान गैलीम की जगह लिया है। इसके अलावा टीम ने नांद्रे बर्गर, लिजाद विलियम्स, इमरान ताहिर, मोइन अली, महेश तीक्ष्णा और डेविड विसे को भी बनाये रखा है। जोबर्ग सुपर किंग्स ने फाफ डु प्लेसिस, मोईन अली, महेश तीक्ष्णा, जॉनी बेयरस्टो, गेराल्ड कोएत्जी, डेविड विसे, ल्यूस डू प्लॉय, लिजाद विलियम्स, नांद्रे बर्गर, डोनोवन फरेरा, सिबोनेलो मखान्या, तबरेज शम्सी, इमरान ताहिर को अपनी टीम में रखा है जबकि पॉर्ल रॉयल्स ने खिलाड़ियों को टीम में बनाये रखा है। पार्ल रॉयल्स ने पिछले सत्र में प्लेऑफ में जगह बनाई पर जोबर्ग सुपर किंग्स के खिलाफ वह एलिमिनेटर में नौ विकेट से हार गयी थी। सत्र से पहले ही पार्ल रॉयल्स ने कप्तान डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी और एंडिले फेहलुकवायो सहित 10 प्लेयर्स को रिटेन किया है। इनमें क्वेना मफाका और लुआन-ड्रे प्रीटोरियस भी शामिल हैं।

# 'मैंने खुद पर अधिक दबाव बना दिया था', फाइनल में जोकोविच से हार पर बोले अल्काराज

पेरिस। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने ओलंपिक खेलों की टेनिस प्रतियोगिता के पुरुष एकल के फाइनल में नोवाक जोकोविच से हारने के बाद कहा कि उन्होंने खुद पर अपने देश की तरफ से खेलने का दबाव बना दिया था। जोकोविच ने अल्काराज को 7-6 (3), 7-6 (2) से हराकर अपना पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता। इससे अल्काराज का सबसे कम उम्र में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने का सपना भी टूट गया। वह राफेल नडाल की बराबरी करने से भी चूक गए जिन्होंने 2008 में अपने पहले प्रयास में ही स्वर्ण पदक जीता था। 21 वर्षीय अल्काराज ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने खुद पर अधिक दबाव बना दिया था क्योंकि मैं स्पेन और स्पेनिश लोगों के लिए खेल रहा था। मैं सोच रहा था कि अगर मैं स्वर्ण पदक नहीं जीत पाऊंगा तो इससे स्पेन के लोगों को निराशा होगी।' उन्होंने कहा, 'यह अलग तरह का दबाव था। स्पेन में हर कोई चाहता था कि मैं स्वर्ण पदक जीतूं और मैं भी यही चाहता था।'

# ओलंपिक पदक जीतने के बाद मनु से करार करना चाहती हैं कई कंपनियां

**शेटराउ (एजेंसी)।** पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचने वाली महिला निशानेबाज मुन भाकर की लोकप्रियता आज शीर्ष पर है। ऐसे में स्वदेश लौटते ही मनु पर पैसे की बारिश होना तय है। कई कंपनियां मुन को अपने साथ जोड़ना चाहती हैं। अब देखना होगा कि मनु किसी प्रकार इस सबके बीच अपने खेल को शीर्ष पर बनाये रखती हैं। मनु ने 10 मीटर पिस्टल में कांस्य पदक जीतने के बाद सरबजोत सिंह के साथ मिश्रित टीम पिस्टल स्पर्धा में एक और कांस्य पदक जीता जबकि वह 25 मीटर पिस्टल फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं।

वह अभी तक भारत वापस नहीं आई हैं लेकिन उनकी प्रबंधन कंपनी को ई-कॉमर्स से लेकर स्किनकेयर उत्पादों तक के वाणिज्यिक गठजोड़ के लिए 40 से अधिक प्रस्ताव मिल चुके हैं।

खेलों में शानदार प्रदर्शन के बाद मनु ने कहा कि उनके लिए बदलाव का कोई कारण नहीं है और फिलहाल उनका एकमात्र एजेंडा अगले तीन महीनों में विभिन्न प्रकार के भारतीय भोजन खाना है। मनु ने कहा कि मैं प्रसिद्धि और धन संभालने के तरीके के बारे में नहीं जानती। मुझे लगता है कि मैं सिर्फ अपनी निशानेबाजी और इसके आसपास की अन्य दिनचर्या जिम और योग पर ही टिकी रहूंगी। भगवान आपको जो देता है उसे स्वीकार करें और जो आपके पास है उससे लोगों की मदद करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि अभी मैं अगले 3 महीनों तक सिर्फ तरह-तरह के भारतीय पकवान खाना चाहती हूं पर मुझे नहीं लगता कि कोच मुझे सुबह देर तक सोने देंगे। मैं खूब खाऊंगी लेकिन यह भी सुनिश्चित करूंगी कि मैं वर्कआउट भी करूं।

वहीं मनु के कोच और भारत से निकले सबसे बेहतरीन पिस्टल निशानेबाजों में से एक जसपाल राणा का मानना ??है कि अगले तीन महीनों में वह जो कुछ भी करती है उससे यह पता चल जाएगा कि वह किस दिशा में जा रही है। जब उनसे पूछा गया कि क्या मनु यहां के प्रदर्शन के बाद भी वैसी ही रहेंगी तो उन्होंने कहा कि समय ही बताएगा, तीन महीने बाद। कोच ने कहा कि अभी वह बहुत से लोगों के प्रति जवाबदेह है, उसे प्रशंसकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने की जरूरत है। जब आप मशहूर हो जाते हैं तो आपको इसकी कीमत चुकानी पड़ती है, इसलिए हमने उसे तीन महीने पूरी तरह से छुट्टी रखी है। प्रतियोगिता खत्म होने

के बावजूद मनु को कुछ समय के लिए पेरिस में ही रहना पड़ सकता है, अगर उन्हें समापन समारोह के लिए भारत का ध्वजवाहक घोषित किया जाता है तो। मनु ने कहा कि यह जीवन भर का सम्मान होगा। यह बहुत बड़ा सौभाग्य होगा।

# मानसून में रेनकोट नहीं का ऐसे रखें ध्यान

बारिश के मौसम में रेनकोट बड़े काम की चीज होती है। खासकर जब ऑफिस जाना हो या जब बच्चे स्कूल जाते हैं और तेज बारिश होने लगे तो रेनकोट का महत्व बढ़ जाता है। लेकिन बारिश के मौसम में रेनकोट का इस्तेमाल करने के बाद उसका सही से ध्यान नहीं रख जाता है तो रेनकोट ख़राब भी हो जाता है या रेनकोट के ऊपर फफूंदी के दाग भी लग जाते हैं। ऐसे में हम आपको कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें फॉलो करके आप रेनकोट को हमेशा नया बनाकर रख सकते हैं।

## ऐसे करें सफाई

रेनकोट की सफाई करना काफी आसान है, लेकिन ध्यान से साफ नहीं किया गया तो रेनकोट ख़राब भी हो सकता है। इसलिए उसकी सफाई कर आपको ध्यान देने की ज़रूरत है। रेनकोट को साफ करने के लिए आपको माइल्ड डिटर्जेंट का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए एक लीटर पानी में माइल्ड डिटर्जेंट को डालकर अच्छे से मिक्स कर लें और रेनकोट को डालकर कुछ देर छोड़ दें। कुछ देर बाद सॉफ्ट हाथों से साफ कर लें और हवा के नीचे के रख दें।

## ऐसे निकाले दाग

अगर रेनकोट पर मिट्टी या फिर फिर किसी अन्य चीज का दाग लग गया है तो आप उसे आसानी से साफ कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक बार नॉर्मल पानी से साफ कर लें। अब दाग वाली जगह पर नींबू के रस को डालकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। कुछ देर बाद सॉफ्ट क्लीनिंग ब्रश से दाग को साफ कर लें। साफ करने के बाद हवा के नीचे रख दें।

## तेज धूप में न रखें

जी हां, अगर इस्तेमाल करने के बाद रेनकोट को तेज धूप में रखते हैं तो रेनकोट कभी भी ख़राब हो सकता है। इसलिए रेनकोट का इस्तेमाल करने के बाद तेज धूप में नहीं बल्कि फंखा के नीचे रख दें। जब रेनकोट से पानी पूरी तरीके से निकल जाए तो फिर आप उसे फोल्ड करके रख सकते हैं।

## पैक करके रखने से पहले रखें ये ध्यान

ऐसा नहीं कि इस्तेमाल किया और सीधा फोल्ड करके रेनकोट को अंदर रख दिया। इससे रेनकोट कभी भी ख़राब हो सकता है। ऐसे में एक से दो-दिन सूखने के बाद ही रेनकोट को पैक करके अंदर रखें। रेनकोट पैक करने वक्त आप एक पेपर में नेप्थलीन की गोली लपेट लीजिए और अंदर रख दें। इससे रेनकोट फ्रेश रहेगा।

# मानसून के मौसम में घर के अंदर होती है घुटन

## तो अपनाएं ये कमाल के वेंटिलेशन डिजाइन

मानसून का मौसम खुशियों और त्योहारों का मौसम होता है, लेकिन साथ ही यह घर में घुटन और उमस का भी मौसम होता है। बंद खिड़कियां और दरवाजे, बारिश का पानी, और हवा में नमी घर के अंदर एक भारीपन सा माहौल पैदा कर सकती है। लेकिन अब आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान वेंटिलेशन डिजाइन अपनाकर आप अपने घर को हवादार और खुशनुमा बना सकते हैं।

### वेंटिलेशन डिजाइन क्या है

वेंटिलेशन डिजाइन, घरों में ताजी हवा के प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए की जाने वाली प्रक्रिया है। इसमें कमरे से प्रदूषित हवा को बाहर निकालकर बाहर से ताजी हवा दी जाती है।
वेंटिलेशन डिजाइन के कई फायदे हैं

- ठंड के मौसम में हवा की गुणवत्ता बनाए रखना
- गर्म मौसम में तापमान को कंट्रोल करना
- नमी, धुआं, खाना पकाने की गंध, और इनडोर प्रदूषकों से छुटकारा पाना
- अटारी में गर्मी के स्तर को कंट्रोल करना
- क्रॉलस्पेस और बेसमेंट में नमी को कंट्रोल करना
- दीवारों से नमी को दूर रखना
- पानी के इस्तेमाल के कारण नमी के प्रभाव को कंट्रोल करना
- कंप्यूटिंग गैजेट से केमिकल के उत्सर्जन को कंट्रोल करना
- खाना पकाने के कारण दहन को कंट्रोल करना
- घर में गंध को कंट्रोल करना
- घर के अंदर अलग से कार्बन डाइऑक्साइड को कंट्रोल करना

### घर में वेंटिलेशन के कई तरह के हो सकते हैं

#### नेचुरल वेंटिलेशन

खिड़कियों और दरवाजों के जरिए हवा का आना-जाना। यह वेंटिलेशन का सबसे बेहतर तरीका है। इसलिए, जब भी संभव हो, खिड़कियां और दरवाजे खोलकर ताजी हवा को घर के अंदर आने दें। विपरीत दिशाओं में खिड़कियां और दरवाजे खोलकर हवा को घर से गुजरने का रास्ता दें। छत या दीवारों में रोशनदान सेट करें ताकि ऊपर की गर्म हवा बाहर निकल सके। बाथरूम और रसोई में एयर वेंट लगाएं, जहां नमी और गंध जमा होने की संभावना होती है। घर के अंदर कुछ छोटे पौधे लगाएं जो हवा को शुद्ध करने में मदद करते हैं।

#### मेकैनिकल वेंटिलेशन

इसमें बाहरी पंखे, अटारी पंखे और पूरे घर के पंखे शामिल हैं। नए और मौजूदा दोनों तरह के ऊर्जा-कुशल घरों में इनडोर एयर क्वालिटी बनाए रखने के लिए यांत्रिक वेंटिलेशन की जरूरत होती है। छत के पंखे और टेबल फैन का इस्तेमाल करके हवा को घुमाएं। इसमें हीट रिकवरी वेंटिलेशन या एनर्जी रिकवरी वेंटिलेशन शामिल हैं। वेंटिलेशन एक अहम प्रक्रिया है, क्योंकि यह बासी हवा को ताजी हवा से बदल देता है। खराब वेंटिलेशन की वजह से कार्बन जमा हो सकता है और इससे इमारत में बैक्टीरिया भी बढ़ सकते हैं। इसलिए, वेंटिलेशन सिस्टम चुनते समय आपके

**वेंटिलेशन एक अहम प्रक्रिया है, क्योंकि यह बासी हवा को ताजी हवा से बदल देता है। खराब वेंटिलेशन की वजह से कार्बन जमा हो सकता है और इससे घर में बैक्टीरिया भी बढ़ सकते हैं।**

घर के लेआउट और जरूरतों को ध्यान में रखना जरूरी है। आप इन तरीकों से अपने घर में वेंटिलेशन बढ़ा सकते हैं

- मौजूदा वेंटिलेशन सिस्टम का सही इस्तेमाल करें
- खिड़कियां या जालीदार दरवाजे खोलें
- रसोई में वेंटिलेशन पंखा लगाएं

### अपने घर में वेंटिलेशन कैसे बढ़ाएं

घर और खुले स्थानों की ओर हवा लाने के लिए पेड़ लगाएं। पेड़ों को एक-दूसरे के बहुत पास न लगाएं, क्योंकि पत्ते हवा को अंदर नहीं आने देते। तेज हवाओं के दौरान नुकसान से बचने के लिए पेड़ों और घर के बीच दूरी बनाएं। पेड़ से घर की दूरी पेड़ की ऊंचाई से ज्यादा होनी चाहिए। अगर आपके घर में विंडो एयर कंडीशनर है, तो उसे चलाएं जिसमें बाहरी हवा का प्रवेश या वेंट हो। वेंट खुला रहने दें। अगर आपके HVAC सिस्टम में बाहरी हवा का प्रवेश है, तो उसे खोलें। अगर आपने छत का पंखा नहीं लगवाया है, तो खुली खिड़की के पास जितना हो सके, एक स्टैंडअलोन पंखा लगाएं ताकि हवा बाहर की ओर जाए। अच्छे वेंटिलेशन से घर में ताजी हवा आती है, हवा फ़िल्टर होती है, और हवा का प्रवाह बेहतर होता है। इससे वायरस के कण कम होते हैं और बीमारियां फैलने से रोका जा सकता है। साथ ही, हवादार घर में धूल के कणों को कंट्रोल रखा जा सकता है।

# सावन के मौके पर घर के आंगन से लेकर मंदिर तक में बनाएं जा सकते हैं भगवान शिव से जुड़ी रंगोली के ये डिजाइंस

**घर को सजाना हम सभी पसंद करते हैं। वहीं तीज-त्योहार के मौके पर हम घर में साफ-सफाई से लेकर पूजा पाठ तक करते हुए कई चीजों का खासतौर से ध्यान रखते हैं।**

सावन का महीना शुरू हो चुका है। हर सोमवार को पत्नियां अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं और भगवान शिव की पूजा करती हैं। इस दिन पाठ-पूजा भी की जाती है। इस मौके पर आप घर के मंदिर में भगवान शिव से जुड़ी कई तरह की रंगोली बनाई जा सकती हैं। सावन के खास मौके पर मंदिर में बनाने के लिए रंगोली के कुछ आसान और खास डिजाइंस।

### ओम रंगोली डिजाइन

भगवान शिव का चित्र बनाना आपके लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इसके लिए आप घर के मंदिरके बाहर बड़े साइज की थाली या पूजा घर में ओम नामः शिवाय लिख सकती हैं या केवल ओम भी रंगों या फूलों से लिख सकती हैं। रंगोली को भरा-भरा बनाने के लिए आप पहले बैकग्राउंड के लिए गोलाई में फ्रेम को तैयार करें।

### शिवलिंग रंगोली डिजाइन

घर के मंदिर में भगवान शिव की प्रतिमा के सामने आप रंगों की मदद से शिवलिंग रंगोली के माध्यम से बना सकती हैं। इसके लिए आप काले रंग के अलावा अन्य कई रंग इस्तेमाल कर सकती हैं। शिवलिंग के साथ में आप बेलपत्र और फूल डिजाइन की रंगोली भी बना सकती हैं। बेलपत्र और फूलों के डिजाइन को 3डी बनाने के लिए माचिस की तीली की मदद लें।

### त्रिशूल रंगोली डिजाइन

ओम के अलावा आप त्रिशूल के डिजाइन को डमरू के साथ में बना सकती हैं। इसके लिए आप भूरे रंग के साथ नारंगी रंग को चुनकर डिजाइन को पूरा करें। आस-पास चाहे तो बॉर्डर के लिए बेलपत्र रंगोली डिजाइन को बना सकती हैं। त्रिशूल और डमरू के आकार को डेप्थ देने के लिए आप सफेद रंग से आउटलाइन कर सकती हैं।

### भगवान शिव रंगोली डिजाइन

अगर आप कला से जुड़ी व्यक्ति हैं और तरह-तरह के चित्र बनाना पसंद करती हैं तो इस तरह से नीले रंग की मदद लेकर भगवान शिव के चेहरे को रंगोली में बना सकती हैं। रंगोली के डिजाइन को पूरा करने के लिए इस तरह के चावल की मदद से बनाया चांद डिजाइन को आकर्षक भी बनाने में मदद करेगा। दीपक जलाकर आप पूजा सकती हैं।

### शिवलिंग रंगोली डिजाइन

घर के मंदिर में भगवान शिव की प्रतिमा के सामने आप रंगों की मदद से शिवलिंग रंगोली के माध्यम से बना सकती हैं। इसके लिए आप काले रंग के अलावा अन्य कई रंग इस्तेमाल कर सकती हैं। शिवलिंग के साथ में आप बेलपत्र और फूल डिजाइन की रंगोली भी बना सकती हैं। बेलपत्र और फूलों के डिजाइन को 3डी बनाने के लिए माचिस की तीली की मदद लें।

### त्रिशूल रंगोली डिजाइन

ओम के अलावा आप त्रिशूल के डिजाइन को डमरू के साथ में बना सकती हैं। इसके लिए आप भूरे रंग के साथ नारंगी रंग को चुनकर डिजाइन को पूरा करें। आस-पास चाहे तो बॉर्डर के लिए बेलपत्र रंगोली डिजाइन को बना सकती हैं। त्रिशूल और डमरू के आकार को डेप्थ देने के लिए आप सफेद रंग से आउटलाइन कर सकती हैं।

### भगवान शिव रंगोली डिजाइन

अगर आप कला से जुड़ी हैं और तरह-तरह के चित्र बनाना पसंद करती हैं तो इस तरह से नीले रंग की मदद लेकर भगवान शिव के चेहरे को रंगोली में बना सकती हैं। रंगोली के डिजाइन को पूरा करने के लिए इस तरह के चावल की मदद से बनाया चांद डिजाइन को आकर्षक भी बनाने में मदद करेगा। दीपक जलाकर आप पूजा सकती हैं।

# मोनोक्रोम आउटफिट में स्टनिंग दिखने के लिए इन टिप्स की लें मदद

मोनोक्रोम आउटफिट स्टाइलिंग पिछले काफी समय से चलन में है। जिन महिलाओं के लिए कलर ब्लॉकिंग या कलर व्हील को ध्यान में रखकर सही कलर चुनने में परेशानी होती है, उनके लिए मोनोक्रोम आउटफिट स्टाइल करना अच्छा ऑप्शन है। चूंकि इसमें आपको डिफरेंअ कलर्स सलेक्ट को लेकर बहुत अधिक परेशान नहीं होना पड़ता है और इसे स्टाइलिंग का सेफ ऑप्शन माना जाता है। लेकिन मोनोक्रोम आउटफिट को स्टाइल करना भी इतना आसान नहीं होता। अगर आप मोनोक्रोम आउटफिट कैरी करना चाहती हैं तो यह जरूरी है कि आप इसे स्टाइल करते समय कुछ बातों का खासतौर पर ध्यान रखें। अगर इसकी स्टाइलिंग के दौरान आपसे गड़बड़ी हो जाती है तो आपका लुक एकदम डल व बोरिंग नजर आता है। मोनोक्रोम आउटफिट की स्टाइलिंग के दौरान आपको कलर्स सलेक्शन से लेकर प्रिंट्स व पैटर्न आदि पर भी उतना ही ध्यान देना होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मोनोक्रोम आउटफिट को स्टाइल करने के कुछ बेहतरीन आईडियाज शेयर कर रहे हैं, जिसे जानने के बाद आपको अपने लुक को एन्हॉन्स करना आसान हो जाएगा-

## सही हो कलर

मोनोक्रोम आउटफिट में खुद को स्टाइल करते समय जिस बात का सबसे अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए, वह है कलर। आप किसी भी कलर शेड को सलेक्ट करते समय अपनी स्किन टोन व ओकेजन का खास ख्याल रखें। मसलन, अगर आप ऑफिस में मोनोक्रोम आउटफिट को स्टाइल कर रही हैं तो ऐसे में आप व्हाइट व ब्लैक कलर को प्राथमिकता दे सकती हैं। वहीं एक पॉप लुक के लिए आप कुछ ब्राइट कलर्स व नियॉन कलर सलेक्ट करें।

## लाइट व डार्क शेड

कई बार ऐसा होता है कि हम मोनोक्रोम लुक तो कैरी करना चाहते हैं, लेकिन एक ही कलर में डिफरेंट शेड्सको सलेक्ट करते हैं। इस तरह डिफरेंट शेड्स आपके लुक को खास बनाते हैं। हालांकि, इस दौरान भी आपको शेड्स को सलेक्शन स्मार्टली करना होता है। मसलन, लाइट टिंट आंख को आकर्षित करेगा और उस बॉडी पार्ट को अधिक हाइलाइट करेगा, जबकि एक डार्क शेड ध्यान भटकाएगा। इस तरह आप सही शेड सलेक्शन करें।

## एसेसरीज का लें सहारा

मोनोक्रोमेटिक लुक कुछ लड़कियों को काफी बोरिंग लगता है। अगर आपके साथ भी ऐसा ही है तो आप कुछ एसेसरीज के जरिए अपने लुक को स्पाइस अप कर सकती हैं। मसलन, आप हैट से लेकर सनग्लासेस, कुछ चंकी ज्वैलरीज आदि को अपने आउटफिट के साथ पेयर करें। यह आपके लुक की एकरसता को ब्रेककरेंगे और आपके लुक को अधिक स्टाइलिश बनाएंगे।

## यूं एड करें टेक्सचर

अगर आप मोनोक्रोम आउटफिट को स्मार्टली कैरी करती हैं तो इससे आप अपने लुक में टेक्सचर को भी बेहद खूबसूरती के साथ शामिल कर सकती हैं और अपने लुक को खास बना सकती हैं। मसलन, आप एक स्लीक टॉप के साथ वुलन स्कर्ट को पेयर कर सकती हैं या फिर बल्कि निट स्वेटर के साथ स्लिम या शाइनी पैंट्स को स्टाइलकिया जा सकता है और इस तरह आप खुद को स्टाइल कर सकती हैं।

## फुटवियर सलेक्ट

मोनोक्रोमेटिक लुक में आपके फुटवियर भी काफी अहम् होते हैं। इसमें भी आप कलर्स का सलेक्शन इस आधार पर करें कि आप किस तरह का लुक कैरी करना चाहती हैं। मसलन, व्हाइट, ब्लू एंड ब्लैक कलर मोनोक्रोमेटिक लुक में आप मैचिंग फुटवियर कैरीकरके एक एलीगेंट लुक पा सकती हैं। वहीं, अगर आप थोड़ा एक्सपेरिमेंटल होना चाहती हैं तो ऐसे में प्रिंटेड या फिर ब्राइट व नियॉन कलर को चुन सकती हैं। यह आपके लुक को एकदम से चेंज कर देगा।

## 5 अगस्त का दिन... पाकिस्तानी हुक्मरानों के पेट में हुआ दर्द

इस्लामाबाद। भारत ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाया था। भारत की सुप्रीम कोर्ट ने भी कदम को संवैधानिक माना है। लेकिन हर साल 5 अगस्त को पाकिस्तान के पेट में दर्द होने लगता है। पाकिस्तान की टॉप लीडरशिप ने सोमवार को यौम-ए-इस्तेहसाल-ए-कश्मीर के रूप में मनाया। हिंदी में इसका अर्थ शोषण के दिन से जुड़ा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भारत के खिलाफ एक्शन लेने की अपील की। उन्होंन कहा कि यह जरूरी है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों को लागू करने का आग्रह करे। राष्ट्रपति जरदारी ने भारत के खिलाफ जहर उगलते हुए कहा, 5 अगस्त जम्म-कश्मीर पर अपने अवैध कब्जे को मजबूत करने के भारत के नवीनतम अभियान के पांच साल पूरा होने का प्रतीक है। उन्होंने दावा किया कि 5 अगस्त 2019 से भारत ने जम्मू-कश्मीर की जनसांख्यिकीय संरचना और राजनीतिक परिदृश्य को बदलने के लिए एक निरंतर अभियान चलाया है। पाकिस्तानी पीएम ने कहा पाकिस्तान कश्मीरी लोगों को आत्मनिर्णय के उनके अधिकार की प्राप्ति तक अपना मजबूत, नैतिक, राजनीतिक और राजनयिक समर्थन देना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि पांच अगस्त हमें भारत के गंभीर कामों को याद दिलाता है। हालांकि ऐतिहासिक तथ्य, इंटरनेशनल कानून, नैतिक सिद्धांत और जमीनी हालात भारत के निराधार दावों को नकारते हैं।

## किम जोंग ने दिखाई ताकत, परमाणु लैस 250 मिसाइल लॉन्चर सेना को सौंपे

प्योंगयांग। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने अमेरिका के संभावित खतरों का मुकाबला करने के लिए अपनी सेना के परमाणु कार्यक्रम के निरंतर विस्तार कर रहे हैं। उत्तर कोरिया ने अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैन्य इकाइयों में परमाणु सक्षम 250 मिसाइल लॉन्चर शामिल किए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश की युद्ध सामग्री संबंधी फैक्टरियों में इन मिसाइल लॉन्चर को सामरिक रूप से महत्वपूर्ण बैलिस्टिक मिसाइलों को दागने के लिए बनाया है। किम ने प्योंगयांग में एक कार्यक्रम में कहा कि नए मिसाइल लॉन्चर उसकी अग्रिम मोर्चे की इकाइयों को दक्षिण कोरिया के खिलाफ जबरदस्त प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करेंगे और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण परमाणु हथियारों के संचालन को ज्यादा व्यावहारिक एवं कुशल बनाएंगे। सरकारी मीडिया में आई तस्वीरों में सड़क पर सेना के लॉन्चर ट्रक की कतारें नजर आ रही हैं। इस कार्यक्रम में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया और इसमें भव्य आतिशबाजी भी की। विशेषज्ञों का कहना है कि किम की बढ़ती धमकियों और हथियार परीक्षण के जरिये शक्ति प्रदर्शन को व्यापक रूप से अमेरिका पर उत्तर कोरिया को परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में स्वीकार करने और उस पर लगाए गए प्रतिबंधों को हटाने का दबाव डालने के प्रयास के तौर पर देखा जाता है। उत्तर कोरिया ऐसे वक्त में तनाव बढ़ाने की कोशिश भी कर सकता है, जब अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं।

## नेपाल जलमार्ग और रेलवे का करेगा विस्तार, पीएम ओली ने जताई संभावना

काठमांडु। नेपाल के पीएम केपी ओली ने देश के जलमार्ग और रेलवे के विकास और भारत के साथ संपर्क बढ़ाने की संभावनाओं पर जोर दिया है। वार्षिक प्रगति समीक्षा बैठक में ओली ने सिविल सेवकों को भारत की सीमा के पास हनुमान नगर से त्रिवेणी और देवघाट तक स्टीमर सेवाओं को चलाने के लिए एक प्रस्ताव तैयार करने को कहा है। उन्होंने कहा कि नेपाल में 1970 से स्टीमर सेवाओं की अनुमति देने वाला कानून होने के बावजूद बुनियादी ढांचे का इस्तेमाल नहीं किया गया है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। ओली ने कहा कि हनुमान नगर में एक बंदरगाह, एक सीमा शुल्क कार्यालय और वीजा केंद्र बनाया जाना चाहिए। जलमार्गों के अतिरिक्त ओली ने नेपाल की रेल सेवाओं के विस्तार की जरुरतों पर बल दिया और मौजूदा जनकपुर-कुर्था रेलवे लाइन में दो रेलवे लाइनें जोड़ने का आह्वान किया।

## ईरान ने दी इजराइल को धमकी, अमेरिका करेगा दोस्त की सुरक्षा

**- पश्चिम एशिया में तैनात किए फाइटर जेट स्क्वाड्रन, क्रूजर, डिस्ट्रॉयर**

वॉशिंगटन। हमास चीफ इस्माइल हानिया की तेहरान में हत्या के बाद ईरान ने इजरायल पर हमले की धमकी दी है। ईरान और उसके सहयोगी हिजबुल्लाह और हूती जैसे सशस्त्र मिलिशिया ग्रुपों से इजरायल को होने वाले खतरों के चलते अमेरिका पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। पेंटागन ने इजरायल पर ईरान के जवाबी हमलों के खिलाफ एहतियात के तौर पर क्षेत्र में एक विमान वाहक पोत, एक फाइटर जेट स्क्वाड्रन, क्रूजर, डिस्ट्रॉयर समेत कई युद्धपोतों की तैनाती कर दी है। गाजा युद्ध शुरु होने के बाद से अमेरिका की यह सबसे बड़ी सैन्य लामबंदी है। पेंटागन ने शुरू में क्षेत्रीय आतंकवादी समूहों की निगरानी और उनके हमलों का जवाब देने के लिए दो कैरियर स्ट्राइक ग्रुप तैनात किए थे। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के स्ट्रैटेजिक कम्युनिकेशन कोऑर्डिनेटर ने तैयारियों पर कहा कि हम सिर्फ यह मानकर नहीं चल सकते कि हम भी संभावित रूप से उस तरह के हमले का शिकार हो सकते हैं, इसलिए हमने क्षेत्र में सही संसाधनों की तैनाती की है और जरूरी क्षमताएं हासिल की हैं। कैरियर स्ट्राइक ग्रुप और फाइटर स्क्वाड्रन के अलावा, अमेरिका ने मध्य पूर्व और भूमध्य सागर में बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम से लैस डिस्ट्रॉयर और क्रूजर भेजे हैं। इसमें शामिल युद्धपोतों के बारे में खुलासा नहीं किया गया है।

## अमेरिका में पति-पत्नी को मिलेगा एच 1 वीजा

वाशिंगटन। अमेरिका की अपीलीय अदालत द्वारा हाल ही में जो फैसला दिया है। उसके अनुसार अमेरिका में जीवन साथी को भी एच 1 वीजा की पात्रता होगी। अमेरिका की सरकार के आदेश के खिलाफ सेव जॉब्स यूएसए नामक संस्था द्वारा सरकार के आदेश को कोर्ट में चुनौती दी गई थी। याचिका मे कहा गया था, अमेरिका में तकनीकी कर्मचारियों का एक बड़ा समूह है। गूगल माइक्रोसॉफ्ट एवं अन्य महत्वपूर्ण कंपनियों में विदेशी योग्यता के आधार पर काम करते हैं। उन्हें तकनीकी ज्ञान के आधार पर काम मिला हुआ है। अमेरिका की सरकार ने एच 1 वीजा देने के जो नियम बनाए हैं। उसके कारण उनको यहां पर काम करना मुश्किल हो रहा है। वह अपने जीवनसाथी को अपने साथ नहीं रख पा रहे हैं। अमेरिका की अपीलीय अदालत के फैसले से अमेरिका में अब जीवन साथी को भी एच 1 श्रेणी का वीजा मिलेगा। लाखों भारतीयों को इसका लाभ होगा।

इटली में माउंट इटेना ज्वालामुखी से उठाता हुआ लावा।

## ऑस्ट्रेलिया सरकार ने आतंक के खतरे का स्तर बढ़ाया, संभवत: को किया संभावित

कैनबरा। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने आतंकवाद के खतरे की चेतावनी के स्तर को संभवत से बढ़ाकर संभावित कर दिया। इसके लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने युवाओं में बढ़ती कट्टरता और इजराइल-हमास संघर्ष के चलते सामुदायिक तनाव के बारे में चिंताओं का हवाला दिया है। ऐसा पहली बार है जब नवंबर 2022 के बाद से खतरे के स्तर को पांच-स्तरीय नेशनल टेररिजम थ्रेट एडवाइजरी सिस्टम के बीच बढ़ा दिया गया। ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथोनी अल्बानीज ने कहा कि अधिकारियों का मानना ??है कि मौजूदा हालात में आतंकवाद एक बड़ा खतरा है, लेकिन उन्हें किसी विशेष खतरे के बारे में जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं आस्ट्रेलिया के लोगों को कहना चाहता हूं कि संभावित का मतलब यह नहीं है कुछ होने वाला है और इसका अर्थ यह भी नहीं है कि किसी धमकी या खतरे के बारे में खुफिया जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि सरकार देश की जासूसी एजेंसी 'ऑस्ट्रेलियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस ऑर्गेनाइजेशन' की सलाह पर काम कर रही है। पीएम एंथोनी ने कहा कि हमें जानकारी मिल रही है कि आस्ट्रेलिया के लोग कई प्रकार की चरमपंथी विचारधाराओं को अपना रहे हैं और सतर्क रहना हमारी जिम्मेदारी है।

# ढाका में हिंसा के चलते पीएम शेख हसीना ने ढाका छोड़ा

### सेना के विशेष हेलिकॉप्टर से रवाना हुई भारत, सेना संभालेगी देश की कमान?

**ढाका (एजेंसी)।** बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर चल रही हिंसा की आग अब चारों ओर देखने को मिल रही है। ऐसे में खबर यह है कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ढाका छोड़ दिया है और सेना के विशेष हेलिकॉप्टर से भारत रवाना हो चुकी हैं। अपुष्ट सूत्रों की मानें तो उन्होंने अपने पद से भी इस्तीफा दे दिया है। अब देश की कमान सेना संभाल सकती है।

जानकारी अनुसार ढाका स्थित प्रधानमंत्री आवास में अनेक प्रदर्शनकारी दाखिल हो गए। इससे पहले राजधानी ढाका समेत देश में सेना तैनाती की घोषणा कर दी गई। वहीं सूत्रों ने जानकारी दी है कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ढाका पैलेस छोड़ चुकी हैं और सेना के विशेष हेलिकॉप्टर से भारत के लिए रवाना हो गई हैं। बांग्लादेश की सड़कों से पुलिस हटा दी गई है और सेना ने कमान संभाल लिया है। इस बीच सत्तारूढ़ अवामी लीग और मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी के शीर्ष नेतृत्व ने सेना हेडक्वार्टर में बैठक कर देश के हालात पर चर्चा की है। यदि बांग्लादेश की स्थिति ठीक नहीं होती तो बहुत जल्द सेना चीफ जनरल वकार-उज-जमान देश को संबोधित करते हुए कोई बड़ी घोषणा कर सकते हैं।

यहां कर्फ्यू को धत्ता बताते हुए हजारों प्रदर्शनकारी लॉन्ग मार्च के लिए ढाका के शाहबाग चौराहे पर इकट्ठा हुए हैं। यहां बतलाते चलें कि कल रविवार को हुई हिंसा में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में 19 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। आरक्षण मामले को लेकर छात्र नेताओं ने प्रधानमंत्री शेख हसीना से इस्तीफे की मांग करते हुए सविनय अवज्ञा आंदोलन की घोषणा कर रखी है। एंटी डिस्क्रिमिनेशन स्टूडेंट मूवमेंट ने सोमवार को एक दिन के लॉन्ग मार्च का आह्वान किया, जिसे देखते हुए बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी और बख्तरबंद गाड़ियों को सड़कों पर गश्ती के लिए उतारा गया है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि छात्र प्रोटेस्ट के समन्वयक आसिफ महमूद ने अपने एक बयान में कहा है, कि इस सरकार ने कई छात्रों का कत्ल कर दिया है। ऐसे में अब समय आ गया है कि सरकार अपने कर्मों का हिसाब दे।

गौरतलब है कि बांग्लादेश आरक्षण रुपी हिंसा की आग से झुलस चुका है। बांग्लादेश में भड़की हिंसा में अब तक 300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इसी बीच बांग्लादेश में तख्तापलट की आहट सुनाई दी, जिसके बाद खबर आई है कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है और सुरक्षित स्थान के लिए सेना के विशेष हेलिकॉप्टर से भारत के लिए रवाना हो चुकी हैं।

## क्या... ईरान पर पहले ही बड़ा हमला कर देगा इजराइल

**तेल अवीव (एजेंसी)।** इजरायल को लगा कि ईरान की ओर से अटैक होना तय है, तब वहां तेहरान की कार्रवाई का इंतजार किए बिना बड़ा हमला कर सकता है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने देश के सुरक्षा प्रमुखों के साथ बैठक की है। बैठक के बाद स्थानीय मीडिया ने दावा किया कि अगर ईरान को इसके पुख्ता सबूत मिल जाते हैं कि तेहरान हमला करने की तैयारी कर रहा है, फिर इजरायली सेना ईरान को रोकने के लिए एक पहले ही हमला करने पर विचार करेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, ये अटकलें जोर पकड़ रही हैं कि ईरान और हिजबुल्लाह आने वाले दिनों में इजरायल पर हमला कर सकता है। इसकी वजह बीते दिनों बेरूत में हिजबुल्लाह कमांडर फुआद शुकर और तेहरान में हमास नेता इस्माइल हनीयेह की हत्या होना है। इसके बाद इजरायल विचार कर रहा है कि वह किस तरह से संभावित हमले का सबसे जवाब दे सकता है या हमले को रोक सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू के साथ बैठक के दौरान इस पर चर्चा की गई ईरान की ओर से हमला तय पाया जाए, तब पहले ही इजरायल को अटैक कर देना चाहिए। हालांकि सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि यह कदम तभी उठाया जाएगा जब इजरायल को इसकी पुष्टि करने वाली खुफिया जानकारी मिले कि तेहरान हमला करने वाला है।

इजराइल की तरह ही अमेरिका को भी साफ नहीं है कि ईरान की ओर से किया जाने वाला हमला कैसा हो सकता है। माना जा रहा है कि ईरान ने अभी तक अपनी कार्रवाई को लेकर कोई आखिरी फैसला नहीं लिया है। ईरान का हिजबुल्लाह और हमास से भी ठीक से समन्वय ना हो पाने की बात कही जा रही है।

## अमेरिका और इजराइल करे सही... भारत करे तो गलत

**-पन्नू मामले में दुनिया का दोमुंहा रवैया**

**तेहरान (एजेंसी)।** इस साल मई से अब तक तीन महीने में, इजरायल के दुश्मन कहे जाने वाले पांच लोग मारे गए हैं। 24 मई को ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और उनके विदेश मंत्री हुसैन की एक संदिग्ध हेलीकॉप्टर हादसे में मौत हुई। 1 जुलाई को गाजा में हमास के सैन्य कमांडर मोहम्मद दीफ को मार डाला। इसके दो हफ्ते बाद हिजबुल्लाह कमांडर फुआद शुकर को बेरुत में एक हवाई हमले में निपट दिया। पांचवीं हत्या 31 जुलाई को हमास नेता इस्माइल हानियेह की तेहरान में हुई। वहीं हानिया की मौत पर चुप्पी के बावजूद ये साफ है कि इजरायल के इशारे पर ये हत्या हुई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका और इजरायल के घनिष्ठ सहयोग के चलते विदेशी धरती पर गैर-नागरिकों की हत्या से संबंधित कई अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन होने के बावजूद इनकी बहुत कम चर्चा हुई हैं। वहीं अमेरिकी मीडिया को इन हत्याओ में कोई खराबी नहीं दिख रही है। जबकि कथित तौर पर भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ के खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की कथित हत्या के प्रयास को प्रमुखता से उठाया था। इस मामले में एक भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता न्यूयॉर्क की जेल में है। वहीं कनाडा में खालिस्तानी निज्जर की हत्या पर भी भारत को आलोचना का शिकार होना पड़ा है। पाकिस्तान, कनाडा और दूसरे दूसरे देशों में भारत विरोधियों के मारे जाने से यह साबित हुआ है कि ये देश उन लोगों को शरण दे रहे हैं जो आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हैं और कई अनुरोधों के बावजूद इन अपराधियों को पकड़ने में विफल रहे हैं। इस तरह का तर्क इजराइल और अमेरिका भी विदेशी धरती पर कार्रवाई को जायज ठहराने के लिए देते हैं और कहते हैं कि मेजबान देश उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रहा था।

## तुर्की और कतर छोड़ ईरान में हमास प्रमुख की हत्या के पीछे सोची समझी रणनीति

**तेल अवीव (एजेंसी)।** हमास सरगना इस्माइल हानिया की हत्या के लिए ईरान की राजधानी तेहरान का चयन एक फुलप्रूफ प्लानिंग का हिस्सा है। इजरायल ने इस घटना को काफी सोच-समझ कर अंजाम दिया है। इजरायल और ईरान की पुरानी दुश्मनी है। ईरान को हमास का कट्टर समर्थक माना जाता है। दूसरी ओर, ईरान की सैन्य ताकत उतनी ज्यादा नहीं है, जिससे इजरायल को अपने अस्तित्व पर खतरा महसूस हो। अप्रैल में ईरान के हमले ने उसकी सैन्य ताकत की पोल खोलकर रख दी थी, जिसमें से 99 फीसदी हथियार अपना लक्ष्य चूक गए। ऐसे में हमास सरगना को तेहरान में मारकर इजरायल ने एक साथ हमास और ईरान दोनों को कड़ा संदेश देने की कोशिश की है। इजरायल के कतर में हमास सरगना की हत्या न करने के कई कारण थे। इनमें

से पहला कारण कतर खाड़ी देश में अमेरिका का सहयोगी है। इतना ही नहीं, इजरायल कतर की ही मदद से हमास के साथ शांति वार्ता कर रहा था, जिसका उद्देश्य इजरायली बंधकों की सुरक्षित वापसी थी। अगर इजरायल कतर में हमास सरगना को निशाना बनाता तो इससे मध्य पूर्व के बाकी देश खुलकर इजरायल के विरोध में खड़े होते और सैन्य विकल्प भी तलाशते। इजरायल के इस फैसले का अमेरिका भी समर्थन नहीं करता और खुद को अलग कर लेता। ऐसे में इजरायल को भारी नुकसान उठाना पड़ता और अब्राहम संधि के कारण मित्र बने मध्य पूर्व के देशों से भी इजरायल को हाथ धोना पड़ता। इजरायल ने तुर्की में हमास चीफ को इसलिए नहीं मारा, क्योंकि यह देश नाटो सदस्य है। नाटो के किसी एक सदस्य पर हमला पूरे गठबंधन पर हमला माना जाता। वर्तमान में रूस से नजदीकी के कारण तुर्की पहले से ही अमेरिका की नजरों पर चढ़ा है। ऐसे में तुर्की में हमास चीफ की हत्या को राष्ट्रपति एर्दोगन युद्ध की चुनौती मानते और हो सकता था कि इस्लामी देशों का खलीफा बनने के चक्कर में छोटे पैमाने पर हमला भी कर देते। तुर्की सैन्य रूप से काफी शक्तिशाली है और उसके साथ युद्ध में इजरायल को नुकसान उठाना पड़ता। दूसरा, तुर्की के नाटो सदस्य होने के कारण अमेरिका खुलकर इजरायल की मदद नहीं कर पाता। पश्चिमी देश भी इजरायल से दूरी बना लेते। ऐसे में इजरायल ने तुर्की में हमास चीफ को निशाना न बनाना ही उचित समझा।

# हाई इनकम वाला देश बनने के लिए भारत को लगेंगे 75 साल

**-भारत की प्रति व्यक्ति आय 2200 डॉलर तो अमेरिका की 37,000 डॉलर है**

**लंदन (एजेंसी)।** भारत, दुनिया में सबसे तेजी बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश बना हुआ है। वहीं मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने देश को विकसित राष्ट्र बनाने का टारगेट टॉप पर रखा है और इसके लिए 2047 तक की डेडलाइन तय की है। वहीं वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में इस लक्ष्य को पाने की चुनौतियों के बारे में बताया गया कि भारत इसे कब तक पा सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और चीन समेत दुनिया के 100 से ज्यादा देशों को हाई इनकम वाला देश बनने के लिए अभी लंबा समय चाहिए। रिपोर्ट में भारत को अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय के महज एक-चौथाई तक पहुंचने में ही 75 साल का समय लग सकता है। भारत की प्रति व्यक्ति आय 2200 डॉलर के आस-पास है, जबकि अमेरिका में ये करीब 37,000 डॉलर है।

अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय के एक चौथाई हिस्से तक पहुंचने में भारत को 75 साल लग सकते हैं तो वहीं वर्ल्ड बैंक के मुताबिक इंडोनेशिया को ये टारगेट हासिल करने में सात दशक लगेंगे। चीन की बात करें तो चीन भारत और इंडोनेशिया से बहुत पहले इसे हासिल करने में कामयाब हो जाएगा। विश्व बैंक का कहना है कि चीन इस टारगेट को महल दस साल में ही हासिल कर सकता है। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट में साल 2023 के अंत में दुनिया के 108 देशों को मिडिल इनकम ग्रुप के रूप में वर्गीकृत किया है। इनकी प्रति व्यक्ति सालाना जीडीपी 1,136 यूएस डॉटर से लेकर 13,845 डॉलर के बीच थी। इन देशों में छह अरब लोग रहते हैं, जो वैश्विक आबादी का 75 फीसदी है। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक दुनिया में हर तीन में से दो लोग अति गरीबी में जीवन बिताते हैं।

रिपोर्ट में बीते 50 सालों के अनुभव के आधार पर पाया कि जैसे-जैसे देश अमीर होते जाते हैं, वे आम तौर पर सालाना यूएस की प्रति व्यक्ति जीडीपी के करीब दस फीसदी के जाल में फंस जाते हैं। ये दस फीसदी की रकम फिलहाल करीब आठ हजार डॉलर के बराबर हो जाती है। भारत की चुनौतियों के बारे में कहा गया है कि तेजी से बूढ़ी होती आबादी, बढ़ता कर्ज, भू-राजनीतिक और व्यापारिक तनाव के अलावा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना आर्थिक रूप से आगे बढ़ने में पेश आ रही कठिनाई इस राह में सबसे बड़ा रोड़ा बनी हुई हैं।

रिपोर्ट में विश्व बैंक ने इस जाल से निकलने के लिए उपाय बताए हैं इसमें कहा गया है कि कई मिडिल इनकम ग्रुप वाले देश अभी भी पिछली सदी की रणनीति का इस्तेमाल कर रहे हैं और प्रमुख रूप से निवेश को बढ़ाने पर जोर देने की नीतियों पर निर्भर हैं। जो कि बिल्कुल कार को पहले गियर में चलाने और उसे तेज चलाने की कोशिश करने जैसा ही है। विश्व बैंक ने कहा है कि इन देशों को मिडिल इनकम ट्रैप से निकलने के लिए थ्री-आई

पर फोकस करना चाहिए। ये थ्री-आई इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन और नई तकनीक में इन्फ्यूजन हैं।

# योगी सरकार का नजूल संपत्ति बिल लाएगा भूचाल: बीजेपी सांसद

### -गोंडा 70 फीसदी नजूल की जमीन पर बसा, आगरा, अयोध्या का भी यही हाल

**लखनऊ।**

यूपी की योगी सरकार के नजूल संपत्ति बिल को कैसरगंज से बीजेपी सांसद रहे बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि मैं नहीं समझ पा रहा हूं कि किस मंशा से ये विधेयक लाया गया है। एक लाइन में पूछा जाए तो इस कदम से यूपी में भूचाल आ जाएगा। गोंडा शहर 70 फीसदी नजूल की जमीन पर बसा है। ऐसा ही आगरा, अयोध्या आदि का हाल है।

बृजभूषण ने कहा कि शायद योगी सरकार को यह नहीं पता है कि कितने लोग नजूल की जमीन पर रह रहे हैं। सरकार बस यह बताया गया है कि नजूल की जमीन पर कुछ भू-माफिया और बड़े लोगों का कब्जा है और उससे मुक्ति दिलाई जाए। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने जनभावना को समझा और इस नजूल संपत्ति बिल को सेलेक्ट कमेटी को भेज दिया। पूर्व बीजेपी सांसद ने यह भी कहा कि बड़े-बड़े मंदिर भी नजूल की जमीन पर बने हैं। इस तरीके से तो एक नहीं हजारों मंदिर टूटेंगे। गोंडा शहर तो 70फीसदी नजूल की जमीन पर बसा है। आगरा, अयोध्या जैसे शहरों का भी यही हाल है। बता दें कि पूर्व बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह ने यह बात सौभागपुर में पत्रकारों से कहीं। उन्होंने कहा कि इस बार कांग्रेस को थोड़ी सी सीट ज्यादा मिल गई हैं, लेकिन यह राहुल जी की काबिलियत पर नहीं मिली हैं, कुछ समीकरण ऐसे बने तो मिली। अखिलेश जी को कांग्रेस से हटा दीजिए तो राहुल गांधी कितने बड़े योद्धा हैं सबको पता है। जो खुद बैसाखी पर टिके हुए हैं, वह आज चक्रव्यूह तोड़ने की बात कर रहे हैं। यह लोग मुगालते में हैं। इन्होंने ही कहा था कि हिंदू हिंसक होता है। आने वाले समय में यह बड़ा मुद्दा बनेगा। हिंदू हिंसक नहीं हो सकता, ये बात राहुल जी के वामपंथी साथी लिखकर उन्हें देते हैं।

गौरतलब है कि योगी सरकार नजूल संपत्ति पर नए बिल को लेकर घिर गई है। इसका बिल यूपी विधानसभा में तो पास हो गया था, लेकिन अगले ही दिन विधान परिषद में अटक गया। अटका भी सिर्फ विपक्ष के कारण ही नहीं, बल्कि खुद बीजेपी विधायकों ने भी इसका विरोध किया था। अब इस बिल को प्रवर समिति के पास भेजा गया है। अब प्रवर समिति की रिपोर्ट आने के बाद ही इस पर कोई फैसला हो सकेगा।

## ई-वाहन खरीद्दारों को झटका.......देना होगा रोड टैक्स का 50 फीसदी

### छत्तीसगढ़ सरकार ने लागू किया नियम

**रायपुर ।**

इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खरीदने वाले लोगों को 25 अगस्त से रोड टैक्स का 50 फीसदी भुगतान करना होगा। राज्य सरकार के निर्देश पर परिवहन विभाग ने ईवी पर मिल रही छूट को समाप्त कर दिया है। इसके बाद दोपहिया और तीन पहिया से लेकर कार की कीमत 3 से 40 हजार रुपए तक बढ़ेगी, क्योंकि यह राशि खरीदार को वाहन की कीमत के साथ रोड टैक्स के रूप में देनी होगी।

ईवी पॉलिसी के तहत, 25 अगस्त 2022 से 24 अगस्त 2024 तक रोड टैक्स से छूट दी गई थी।

दी गई छूट समाप्त हो रही है और नए आदेश के अनुसार, 25 अगस्त 2024 से 24 अगस्त 2026 तक, दोपहिया वाहन पर 4 फीसदी और कार पर 5 फीसदी रोड टैक्स देना होगा। इसके बाद, 25 अगस्त 2026 से 24 अगस्त 2027 तक, रोड टैक्स में केवल 25 फीसदी छूट मिलेगी।

राडा के अध्यक्ष विवेक गर्ग ने बताया कि परिवहन विभाग ने सभी ऑटोमोबाइल डीलरों को नए टैक्स प्रावधानों की जानकारी देने वाला आदेश जारी किया है। इसकी जानकारी ईवी को प्रोत्साहित करने के लिए 2022 में लागू की गई 5 साल की ईवी पॉलिसी के तहत है। बता दें रोड टैक्स में छूट केवल 24 अगस्त तक वाहन खरीदने वालों को दी जाएगी।

ईवी नीति के अनुसार, इस तिथि के बाद खरीदे गए वाहनों पर 2 साल तक 50 और उसके बाद 75 फीसदी रोड टैक्स देना होगा। नए आदेश के मुताबिक, ई-रिक्शा और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए निर्धारित अवधि के बाद मोटरयान कर की वसूली छत्तीसगढ़ मोटरयान कराधान अधिनियम 1991 के नियमों के तहत की जाएगी।

#### छत्तीसगढ़ में रोड टैक्स की दरें :

- 1. दोपहिया वाहन की कुल कीमत का 8 फीसदी
- 2. कार की कुल कीमत का 10 फीसदी
- 3. तीन पहिया वाहनों पर डेढ़ से तीन फीसदी
- 4. मालवाहक वाहनों पर 5 से 6 फीसदी टैक्स देना होता है।

## केंद्रीय पर्यावरण मंत्री का बड़ा आरोप.....वायनाड भूस्खलन त्रासदी केरल सरकार की गलती

### सरकार के संरक्षण में अवैध खनन चल रहा

**नई दिल्ली ।**

केरल के वायनाड भूस्खलन त्रासदी के बाद खोज और बचाव अभियान लगातार सातवें दिन जारी है। हादसे में मरने वालों की संख्या 387 हो गई है, और 180 लोग लापता हैं।इस बीच केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने पिनाराई विजयन सरकार पर अवैध खनन और अवैध संरक्षण को शह देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि केरल सरकार को इकोसेंसिटिव जोन के लिए योजना बनानी चाहिए। केरल सरकार के संरक्षण में अवैध खनन चल रहा है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने यह स्थानीय नेताओं द्वारा लोगों को रहने के लिए अवैध संरक्षण है। इतना ही नहीं पर्यटन के नाम पर भी वे उचित क्षेत्र नहीं बना रहे हैं। उन्होंने इस क्षेत्र पर अतिक्रमण की परमिशन दी है। यह एक अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्र है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने कहा, हमने पहले ही पूर्व वन महानिदेशक संजय कुमार की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है।

उन्होंने केरल सरकार के साथ पत्राचार भी किया है। लेकिन वायनाड हादसा केरल सरकार की गलती। उन्होंने कहा, विजयन सरकार को इकोसेंसिटिव जोन के लिए योजना बनानी चाहिए। केरल सरकार को पूर्व वन महानिदेशक कुमार की अध्यक्षता वाली समिति को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी चाहिए।इकोसेंसिटिव जोन में अवैध आवास और खनन नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, अवैध आवास और खनन की वजह से हमें नुकसान उठाना पड़ा है।

## वायनाड त्रासदी में अब भी 180 लोग लापता, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

### -डीएनए परीक्षण के लिए ले रहे सेम्पल

**वायनाड।**

वायनाड में लैंडस्लाइड के बाद बचाव टीमें लोगों को बचाने के लिए लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। रेस्क्यू के सातवें दिन टीम को दो शव मिले हैं। इस हादसे में मरने वालों की संख्या अब 380 से ज्यादा हो गई है। अभी भी 180 लोगों का कुछ पता नहीं चल सका है, उनकी तलाश की जा रही है। वहीं इस त्रासदी के सात दिन बाद स्कूल खोले गए लेकिन अभी छात्रों की आमद कम है। जानकारी के मुताबिक रेस्क्यू टीम को दो शव मिले हैं। वहीं केरल सरकार ने भी शवों की पहचान करने के लिए कई कदम उठाए हैं। केरल सरकार ने लापता लोगों की पहचान करने के लिए डीएनए परीक्षण के लिए जीवित बचे लोगों और रिश्तेदारों के खून के सेम्पल लेना शुरू कर दिया है। वहीं नागरिक आपूर्ति विभाग भी लापता लोगों की पहचान के लिए राशन कार्ड, आधार कार्ड और लिंक किए गए फोन नंबरों का विवरण जुटाने में लग गया है। वायनाड जिले में 599 बच्चों और छह गर्भवती महिलाओं समेत दो हजार पांच सौ से ज्यादा लोगों ने राहत शिविरों में शरण ले रखी है। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि सीएमओ की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक वायनाड जिले के मेप्पडी और अन्य ग्राम पंचायतों में भूस्खलन प्रभावित लोगों के लिए 16 राहत शिविर बनाए गए हैं। आंकड़ों के मुताबिक इन राहत शिविरों में 723 परिवारों के 2,514 लोगों ने शरण ली है, जिनमें 943 पुरुष, 972 महिलाएं और 599 बच्चे शामिल हैं। राहत शिविरों में छह गर्भवती महिलाएं भी रह रही हैं।

## राहुल-प्रियंका के सामने कुलियों ने किया दर्द बयां, ग्रुप-डी का दर्जा दिलाने की रखी मांग

**नई दिल्ली।**

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने दिल्ली में लोगों का बोझ उठाने वाले कुलियों से मुलाकात की जहां राहुल-प्रियंका के सामने कुलियों ने अपना दर्द बयां किया। कुली मोहम्मद करीम अक्रान ने कहा कि वह राहुल गांधी से कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों से कुली यहां इकट्ठा हुए हैं। 2008 में जब लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री थे तब उन्होंने हमें ग्रुप डी का दर्जा दिया था, जिसके कारण हम अपना घर चला रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम मोदी सरकार द्वारा चलाई जा रही बैटरी कारों से हमारे पास कोई काम नहीं बचा है और हम घर चलाने को मजबूर हैं। करीम ने बताया कि उसने राहुल गांधी से कहा कि 2008 की तरह कुलियों को ग्रुप-डी का दर्जा दिया जाना चाहिए। उसने कहा कि हम कुलियों को उम्मीद है कि राहुल गांधी हमारा मुद्दा उठाएंगे। इससे पहले राहुल गांधी ने भारतीय रेलवे लोको पायलटों से मुलाकात की थी उन्होंने कर्मचारियों की कमी के कारण आराम नहीं मिलने की शिकायत की थी। राहुल गांधी ने उन्हें आश्वासन दिया था कि वह उनके मुद्दों को संसद में उठाएंगे। उन्होंने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पूरे भारत के 50 से ज्यादा लोको पायलटों से मुलाकात की पायलटों ने उन्हें अपनी समस्याएं से अवगत कराया। पायलटों ने कहा कि वह घर से दूर रहते हैं, लंबी दूरी तक ट्रेन चलाते हैं और अक्सर उन्हें बिना ब्रेक दिए ड्यूटी पर भेज दिया जाता है। इससे वह काफी तनाव में रहते हैं और एकाग्रता की भी कमी रहती है, जो दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण भी बन सकता है। लोको पायलट 46 घंटे के साप्ताहिक आराम की मांग कर रहे हैं। हालांकि, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि 'लोको पायलट' रेलवे परिवार के अहम सदस्य हैं लेकिन विपक्ष उनका मनोबल गिराने के लिए दुष्प्रचार कर रहा है। उन्होंने एक्स पर लोको पायलटों की कार्यदशा सुधारने के लिए रेलवे द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लोको पायलट की ड्यूटी के घंटे पर सावधानीपूर्वक नजर रखी जाती है। गाड़ी के फेरों के बाद ध्यानपूर्वक उन्हें आराम दिया जाता है।

## पीडीपी नेता महबूबा का दावा: धारा 370 के रद्द करने के पांच साल पूरे होने पर किया नजरबंद

**श्रीनगर।**

जम्मू-कश्मीर में पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द के पांच साल पूरे होने पर उन्हें घर में नजरबंद करने का दावा किया है। उन्होंने दावा किया कि इस अवसर पर कड़ी सुरक्षा के बीच उनके पार्टी कार्यालय को बंद कर दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक अल्ताफ बुखारी की अध्यक्षता वाली अपनी पार्टी का कार्यालय भी एहतियात के तौर पर बंद कर दिया गया। नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुख्य प्रवक्ता तनवीर सादिक ने दावा किया कि उन्हें घर में ही नजरबंद कर दिया गया है।

सादिक ने एक्स पर पोस्ट में लिखा-मुझे घर पर ही हिरासत में रखा गया है, जो पूरी तरह से गैरजरुरी है। मुझे किसी काम से बाहर जाना था, लेकिन मेरे गेट के बाहर पुलिसकर्मियों ने मुझे बाहर जाने से रोक दिया। यह अनुचित और अवैध है। उन्होंने शहर के हसनाबाद इलाके में अपने आवास के गेट के बाहर पुलिसकर्मियों के तैनाती की एक तस्वीर भी पोस्ट की है। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त, 2019 को बीजेपी सरकार ने जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ विश्वासघात किया। संविधान की अनदेखी करके बीजेपी ने जम्मू-कश्मीर के साथ संवैधानिक, नैतिक, नैतिक और कानूनी संबंधों को कमजोर किया। केंद्र ने जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम भी लाया, जिसने तत्कालीन राज्य को लद्दाख और जम्मू और कश्मीर के दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन ने कहा कि 5 अगस्त कश्मीरी लोगों के पूर्ण रूप से अशक्तीकरण की याद दिलाता रहेगा। लोन ने एक्स पर पोस्ट में लिखा-पांच साल बाद भी कोई निर्वाचित विधानसभा नहीं है और स्थानीय लोगों को अपने मामलों को चलाने का कोई अधिकार नहीं है और दुख की बात है कि देश में इतनी शक्तिशाली आवाज़ें नहीं हैं जो यह सवाल उठा सकें कि जम्मू और कश्मीर को इस तरह के अपमानजनक अस्तित्व के लिए क्यों चुना गया है।

## संक्षिप्त समाचार

### खराब की जगह सही किडनी निकाली....ढाई माह बाद महिला की मौत परिजनों ने शव लेने से किया इंकार

**जयपुर ।** राजस्थान के झुंझुनू में बीते दिनों हुए किडनी कांड की शिकार महिला की मौत हो गई। मृतक महिला करीब ढाई महीने से हॉस्पिटल में उपचार के लिए भर्ती थी। महिला की बीते दिनों अस्पताल में खराब किडनी की जगह सहीं किडनी निकाल दी। इस कारण महिला की तबीयत खराब हो गई। मामले को लेकर काफी बवाल हुआ और महिला ढाई महीने से हॉस्पिटल में भर्ती थी। हांलाकि आरोपी डॉक्टर अभी जेल में है। हैरान कर देने वाला यह मामला झुंझुनू का है, जहां मृतक महिला नुआं निवासी ईद बानो धनखड़ अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती हुई, जहां डॉ. संजय धनखड़ ने महिला को बताया कि उसकी एक किडनी खराब है। इस लेकर 15 मई को महिला का ऑपरेशन हुआ। इस दौरान डॉ. धनखड़ की लापरवाही से महिला की संक्रमित किडनी की जगह उसकी सही किडनी निकाल दी गई। जिससे महिला की तबीयत खराब हो गई। इस मामले का पता लगने पर परिजनों ने जमकर बवाल किया। इधर, ग्रामीणों और परिजनों ने पांच मांगे रखी है। इसमें मृतक महिला के परिवार को एक करोड़ का मुआवजा, सरकारी नौकरी देने, डॉक्टर के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने और डॉक्टर की संपत्ति पर बुलडोजर चलाने सहित पांच मांगे रखी गई है। लोगों का कहना है कि जब तक यह पांच मांगें नहीं मानी जाती, तब तक शव नहीं लिया जाएगा। वहीं आरोपी डॉ. धनखड़ परिवार के लोगों को पैसों का लालच देने लगा। मामले में पुलिस ने आरोपी डॉ. धनखड़ को गिरफ्तार कर लिया, जो अभी भी जेल में बंद है।

### 1.22 करोड़ की कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद, पिता-पुत्र गिरफ्तार

**भोपाल।** मध्य प्रदेश पुलिस ने कोडीन युक्त प्रतिबंधित खांसी की दवा की 72 हजार बोतलें बरामद की हैं जिसकी कीमत लाखों में बताई जा रही है। पुलिस ने बाप-बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जयदीप प्रसाद ने बताया कि हाल ही में सागर से 800 डिब्बों में भरी कोडीन युक्त कफ सिरप की बोतलें बरामद की गईं हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि कोडीन युक्त कफ सिरप रीवा में बेचा जा रहा है। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने जांच शुरू की तो पता चला कि इसका स्रोत सागर है। सागर निवासी अरविंद जैन के गोदाम से 1.22 करोड़ रुपए कीमत की कफ सिरप की बोतलें बरामद की गईं हैं। उन्होंने बताया कि अरविंद जैन और उसके बेटे सत्तू जैन को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

### अब यूपी के सहारनपुर में पटरी से उतरे लोकल ट्रेन के तीन डिब्बे

**सहारनपुर।** ट्रेन के डिब्बे पटरी से उतरने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है आए दिन कभी यात्री तो कभी मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतर रहे हैं। वहीं अब यूपी से खबर आई है कि सहारनपुर रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर एक लोकल ट्रेन के तीन डिब बे पटरी से उतर गए। मीडिया रिपोर्ट में अंबाला मंडल के मंडल प्रबंधक ने बताया कि एक लोकल ट्रेन जो सफाई के लिए जा रही थी यह मेमू ट्रेन खाली थी और घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। डीआरएम ने बताया कि यह घटना वाशिंग लाइन पर दोपहर करीब तीन बजे हुई। इस वजह से मुख्य मार्ग पर ट्रेन यातायात प्रभावित नहीं हुआ। डिब्बों के पटरी से उतरने के कारणों की जांच कर रहे हैं और ट्रैक को ठीक किया जा रहा है।

### कावड़ियों को तेज रफ्तार कार ने रौंदा...... पांच कांवड़िया हुए घायल

**आगरा ।** आगरा के ताजगंज के बरौली अहीर क्षेत्र में इनर रिंग रोड पर कासगंज सोरों घाट से कांवड़ लेकर आ रहे कावड़ियों को तेज रफ्तार कार ने रौंद दिया। हादसे ने पांच कांवड़िया घायल हो गए। अन्य साथियों ने घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां दो की हालत गंभीर बनी हुई है। कांवड़ खंडित होने पर गुस्साए कांवड़ियों ने कार में जमकर तोड़फोड़ की। हमले में कार सवार दो युवक भी घायल हुए हैं। रविवार की रात्रि कांवड़िया आगरा पहुंचे थे। कांवड़ लेकर लौटते समय इनर रिंग रोड पर कांवड़ियों को तेज रफ्तार कार ने रौंद दिया। इस हादसे में पांच कांवड़िया घायल हो गए। विवाद की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायल कार सवारों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल में रेफर किया गया है।

## राज्यपाल बोस ने किया साफ, बंगाल में तीन ममता हैं एक से मेरे अच्छे संबंध

**कोलकाता।**

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने एक व्यक्ति के रूप में बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया और उनके साथ व्यावसायिक संबंध बनाए रखा, लेकिन स्पष्ट किया कि राजनीतिज्ञ ममता बनर्जी मेरे बस की बात नहीं हैं। राज्यपाल सीवी आनंद बोस, जो ममता के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से भिड़ चुके हैं, उन्होंने अपने जटिल संबंधों पर चर्चा की और यौन उत्पीड़न के आरोपों और राज्य के वित्त से संबंधित मुद्दों को लेकर संबोधित किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जब राज्यपाल बोस से ममता बनर्जी के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने उनकी भूमिकाओं में अंतर करते हुए कहा कि कौन सी ममता बनर्जी? मेरे सामने तीन ममता बनर्जी हैं। उन्होंने विस्तार से बताया कि एक व्यक्ति हैं ममता बनर्जी। मेरे उनके साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। दूसरी हैं सीएम ममता बनर्जी। उनके साथ मेरे पेशेवर संबंध हैं। तीसरी हैं राजनेता ममता बनर्जी, यह मेरे बस की बात नहीं है। राज्यपाल बोस ने बताया कि चुनाव के दौरान उन्होंने मुद्दों को उलझा दिया। सीएम ममता ने राजनेता के साथ विलय कर दिया, कुछ बयान दिए। मैं भी एक व्यक्ति बन गया, गवर्नर नहीं। मैंने उस पर हर्जाने, मानहानि का मुकदमा किया। यही रिश्ते की जटिलता है। उन्होंने आगे कहा कि अन्यथा, ममता मेरी दोस्त हैं। मुख्यमंत्री मेरी सहयोगी हैं और मैं कोई राजनेता नहीं हूं। उन्होंने कहा कि राजनेता अपने-अपने तरीके से कुछ भूमिकाएं निभाते हैं। मैं इसे अपने आत्मसम्मान के साथ हस्तक्षेप नहीं करने दूंगा। रिश्ता यहीं कायम है। राज्यपा बोस को यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना करना पड़ा, लेकिन राजभवन पैनल ने जांच के बाद आरोपों को खारिज कर दिया। बोस ने ममता और कुछ टीएमसी नेताओं के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया, जिसके कारण कलकत्ता हाईकोर्ट ने उन्हें 14 अगस्त तक उनके खिलाफ कोई भी अपमानजनक या गलत बयान देने से रोक दिया है। लंबित विधेयकों के मुद्दे पर बोस ने बंगाल सरकार के दावे का खंडन किया कि उन्होंने आठ विधेयकों पर सहमति रोक रखी है। उन्होंने साफ किया ऐसा मामला है कि आठ विधेयक राज्यपाल के पास लंबित हैं। छह विधेयक राष्ट्रपति के लिए आरक्षित किए हैं। एक विधेयक को कुछ स्पष्टीकरणों पर सरकार के कार्यालयों के साथ चर्चा के लिए रखा गया है।

## सागर हादसे के बाद एक्शन में मोहन सरकार..........कलेक्टर और एसपी को हटाया

### अन्य अधिकारियों पर भी कार्रवाई हुई

**भोपाल, ।** मध्य प्रदेश के सागर जिले में दीवार गिरने के बाद नौ बच्चों की मौत हुई है। हरदौल मंदिर में पार्थिव शिवलिंग बनाने के दौरान यह हादसा हुआ है। हादसे के बाद मोहन सरकार ने कार्रवाई कर कलेक्टर और एसपी को हटा दिया है। छतरपुर कलेक्टर को सागर का नया कलेक्टर नियुक्त किया है। इसके साथ ही रायसेन एसपी को सागर का नया एसपी बनाया गया है। साथ ही अन्य अधिकारियों पर भी कार्रवाई हुई है। सागर की घटना के पीछे अधिकारियों की लापरवाही मानी गई है। सीएम के निर्देश के बावजूद सतर्कता नहीं दिखाई गई। घटना सामने आने के बाद शाहपुर नगर परिषद के सीएम और उपयंत्री को सस्पेंड किया गया है। इसके साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर के प्रभारी डॉ हरिओम बंसल को भी निलंबित किया गया है। संयुक्त कलेक्टर संदीप सिंह को भी सरकार ने पद से हटा दिया है। इसके बाद देर रात कलेक्टर दीपक आर्य और एसपी अभिषेक तिवारी को हटा दिया गया है। कलेक्टर और एसपी को हटाने के बाद सागर में नए अधिकारियों की पदस्थापना हो गई है। 2013 बैच के आईएएस अधिकारी संदीप जी आर सागर के नए कलेक्टर हैं। अभी वह छतरपुर कलेक्टर थे। वहीं, छिंदवाड़ा जिला पंचायत के सीईओ पार्थ जैसवाल छतरपुर के नए कलेक्टर बने हैं। दीपक आर्य को मंत्रालय में उप सचिव बना गया है।वहीं, 2014 बैच के आईपीएस अधिकारी विकास कुमार सहवाल को सागर का एसपी नियुक्त किया है। वे अभी रायसेन में पदस्थ थे। साथ ही सागर एसपी तिवारी की तैनाती पुलिस मुख्यालय में हुई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

# एक बूढ़े पारसी का रूप धारण करके दस्तावेज़ का पंजीकरण कराने आया था, पकड़ा गया

**क्रांति समय**
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत सब रजिस्ट्रार कार्यालय में पारसी बुजुर्ग ने हजीरा सब रजिस्ट्रार कार्यालय में दिया आपत्ति आवेदन, ठग मुकेश मेंदपारा और जाकिर नकवी उनके नाम पर दस्तावेज बनाने आए।

उसके गांव के अकबरमिया कादरी ने जमीन के सौदे में मालिक के साथ रहने की बात कहकर उससे ५ लाख रुपये मांगे और झूठे दस्तावेजों के आधार पर बैंक में एक पारसी के नाम से खाता खोल दिया बुजुर्ग की भेंसन जमीन का सौदा उसके फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड से बनाया गया था, मुख्य सरगना मुकेश मेंदपारा से ३.४१ करोड़ रुपये के चेक लिए गए थे

सूरत के नानपुरा बहुमाली भवन स्थित हजीरा उप-पंजीयक कार्यालय में गिर सोमनाथ के एक व्यक्ति को एक बुजुर्ग पारसी का फर्जी आधार कार्ड और पैन कार्ड बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया करोड़ों की जमीन का सौदा कर रजिस्ट्री कराने पहुंचे बुजुर्ग की शिकायत पर मुख्य सूत्रधार मुकेश मेंदपारा समेत चार

के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के भेंसन गांव में अकेले रहने वाले ७२ वर्षीय कुरुषभाई रुस्तमजी पटेल की करोड़ों की ११ जमीनें भेंसन के अलग-अलग ब्लॉक में स्थित हैं, उन्होंने अपने दोस्त हेक्सन का नंबर दिया दो दिन पहले नानपुरा बहुमाली भवन स्थित हजीरा उपपंजीयक कार्यालय में अपनी जमीन के विवरण के साथ आपत्ति आवेदन में कुरुषभाई ने हजीरा उपपंजीयक कार्यालय से अपने मित्र को फोन किया और वहां उपपंजीयक के साथ पहुंचने को कहा वी.डी.पटेल ने कहा कि आपके स्वामित्व की भूमि के विक्रय दस्तावेज पंजीयन हेतु यहां प्रस्तुत किये गये हैं तथा आपके नाम का एक व्यक्ति आधार कार्ड एवं पैन कार्ड प्रस्तुत कर विक्रेता के रूप में उपस्थित हुआ है।

वहां पेश किए गए ड्राफ्ट दस्तावेजों में ब्लॉक नंबर २८० में विक्रेता का नाम उनका और खरीदार का नाम दाभोली के ललितभाई आंगन था, जबकि ब्लॉक नंबर २७४, २०२०१, २६०, २३५, २४३, २४४, २६९ में उनका नाम था। विक्रेता उनका था और खरीदार वेड्रोड थे। कुरुषभाई ने उन्हें जमीन नहीं बेची थी, इसलिए वहां मौजूद व्यक्ति का नाम पूछने पर उन्होंने उसकी पहचान जाकिर गुलाम के रूप में की। अली नकवी (बाकी गांव सिंगसर, दिल्ली स्ट्रीट, जिला सूत्रपाड़ा, जी. गिर सोमनाथ) । मुकेश मनसुखभाई मेंदपारा (निवास फ्लैट नंबर १०२, मैरी गोल्ड क्रेस्टा अपार्टमेंट, वीटीनगर सर्कल के पास, सरथाना जकातनाका, सूरत), जिन्होंने अपनी पहचान बताई। गवाह के तौर पर वह भी वहां मौजूद थे। जमीन के दस्तावेज के बारे में पूछे जाने पर जाकिर नकवी ने कहा कि उनके गांव में रहने वाले अकबरमिया कादरी ने कहा कि वह जमीन के सौदे में मालिक के साथ रहना चाहते हैं और सूरत में ३.५० लाख रुपये लाने की बात कही। ५ लाख रुपये का भुगतान करें। इसके बाद पीयूषकुमार शाह और अकबरमिया ने कुरुषभाई का आधार कार्ड और पैन कार्ड दिया, जिसके आधार पर उन्होंने एक्सिस बैंक में खाता खोला और ३ रुपये का चेक लिया। जमीन सौदे के भुगतान के लिए ८४,५१,००० रु उनकी बात सुनने के बाद दस्तावेज रजिस्टर करने के लिए मौजूद मैनेजर धर्मेशभाई वघासिया ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी, अठवा लाइन्स पुलिस वहां पहुंची और सारी तस्दीक के बाद देर रात मास्टरमाइंड मुकेश मेंदपारा के अलावा जाकिर नकवी को भी गिरफ्तार कर लिया. , पीयूषकुमार जयतिलाल शाह (शेष २०५, रणछोड़नगर सोसायटी, शिवकृपा रेजीडेंसी, सिंगनपोर) और अकबरमिया नथुमिया को कुरुषभाई की शिकायत के आधार पर कादरी के खिलाफ फर्जी दस्तावेज का मामला दर्ज किया गया और जाकिर नकवी और मुकेश मेंदपारा को गिरफ्तार किया गया जांच पीआई जीएम हादिया द्वारा की जा रही है।

भू-माफिया मुकेश मेंदपारा ने अभावा गांव के भी दो भूखंडों को दोनों भूखंडों के मूल मालिक के बजाय एक फर्जी व्यक्ति को पेश करके हड़प लिया और उन्हें किसी अन्य व्यक्ति के फर्जी पहचान पत्र के आधार पर बेच दिया फर्जी दस्तावेज.

अभावा में राजस्व सर्वेक्षण संख्या ५०६ में, भाग ए प्लॉट संख्या ३४ के मालिक मुकेशभाई चंपकलाल शाह के स्थान पर, फर्जी व्यक्ति महेशकुमार चंपकलाल शाह (बाकी २०, गोविंदनगर सोसायटी, दरगाह रोड, नवसारी) और भाग के मालिक मंजुलाबेन महेशचंद्र धामी बी प्लॉट नंबर २५ के स्थान पर एक अन्य महिला सुधाबेन सुनीलभाई पटेल (उम्र ५२, निवासी बंगला नंबर-२५, साईनाथ रो हाउस, उमामंगल हॉल के पीछे, कामरेज, सूरत) को फर्जी पहचान प्रमाण के आधार पर दस्तावेज पेश किया गया और बेच दिया गया। इसमें मुकेश मनसुखभाई मेंदापारा (पटेल) (शेष ४०१, सहजानंद रेजीडेंसी, वालक गांव, ग्रीन वैली के पास, कामरेज, सूरत और कार्यालय नंबर ३१३, ३१४, अवध) पर दो मामले दर्ज किए गए हैं। वायसराय बिल्डिंग, सरथाणा जकातनाका, निर्मलनगर बिसाइड सोसायटी, सूरत), महेशकुमार चंपकलाल शाह जो फर्जी व्यक्ति बन गए और सुधाबेन सुनीलभाई पटेल, मुकेशभाई लल्लूभाई पटेल (शेष मोर्थाना, जिला कामरेज, जिला सूरत), ब्रिजेश राजबहादुर सिंध (शेष ३३, मानसरोवर सोसायटी, डिंडोली, सूरत), ओंकार पर्वत बसीकर (विश्राम.१०८, गुलशननगर, ऊन, सूरत), टाइपिस्ट सादिक अली अमीर अली सैयद (विश्राम.५/१६८०, हरिपुरा, हसनजी की पहाड़ी, लालगेट, सूरत), सादुल पुना भाई दाभी (बाकी. पड़वा पलिउ, कामरेज, सूरत), जिसमें सुधाबेन का बेटा जिगर (यू.वी.२३) भी शामिल है।

## स्वयं अभय बनें और दूसरों को भी अभय दान देने का प्रयास करें-आचार्य श्री महाश्रमण

**क्रांति समय**
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

रविवारीय कार्यक्रम में महावीर समवसरण का विशाल एवं भव्य पंडाल श्रद्धालुओं से खचाखच भरा हुआ था. जन-जन के आध्यात्मिक उत्थान के लिए निरंतर ज्ञान की गंगा बहाने वाले जैन श्वेतांबर तेरापंथ धर्म संघ के ग्यारहवें आचार्य एवं अखंड परिव्राजक आचार्यश्री महाश्रमणजी के प्रवेश से जैन शासन का संपूर्ण महावीर समवसरण जयनाद से गूंज उठा.

अध्यात्मावेत्ता आचार्य श्री महाश्रमणजी ने आयरो आगम के माध्यम से मंगल उद्बोधन देते हुए कहा कि मनुष्य जीवन जीता है. सामान्यत: मनुष्य में निर्भय रहने की भावना या आकांक्षा होती है. प्रश्न यह है कि मनुष्य किससे डरता है? इसका उत्तर यह है कि मनुष्य के भय का मूल दु:ख है. कोई भी आदमी दर्द नहीं चाहता. उसे बीमारी, अपमान, चोरी, डकैती और कभी-कभी अपने जीवन की सुरक्षा का डर रहता है. मनुष्य मुख्यत: दु:ख से डरता है. आगम में कहा गया है कि मनुष्य सहित प्रत्येक प्राणी भयमुक्त जीवन जीना चाहता है. वस्तुत: अभय अहिंसा का मूलमंत्र है. मनुष्य को स्वयं भी अभय बनने और दूसरों को भी अभय देने का प्रयास करना चाहिए.

दुनिया में सबसे खुश आदमी वह है जिसने डर पर विजय पा ली है. मनुष्य को न तो स्वयं डरना चाहिए और न ही दूसरों को डराने का प्रयास करना चाहिए. अगर जीवन में सफल होना है तो ईंट का जवाब पत्थर से नहीं फूल से देना चाहिए. बीमारी, पीड़ा या मृत्यु का सामना होने पर भी व्यक्ति को समता और शांति बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए. प्राणियों की रक्षा करना अर्थात् अभयदान देना ही दान का सर्वोत्तम रूप है. आगम का कहना है कि यदि सभी प्राणी अभय चाहते हैं तो मनुष्य को प्राणियों के प्रति किसी भी प्रकार की हिंसा नहीं करनी चाहिए.

आचार्यश्री ने 'परस्परोपग्रहोजीवनम्' की चर्चा करते हुए कहा कि यह पारिवारिक एवं सामुदायिक जीवन का महत्वपूर्ण सूत्र बन सकता है. मनुष्य को एक-दूसरे का सहयोग करने का प्रयास करना चाहिए. मनुष्य को आपसी सहयोग की भावना से जीवन में आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए.

पूज्य आचार्यश्री ने आगे कहा कि वर्तमान विश्व में अनेक देशों के बीच युद्ध हो रहे हैं. युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है. समस्या के स्थायी समाधान के लिए आपसी संवाद होना चाहिए. एक बार संवाद करें, यदि सफल न हो तो दोबारा संवाद करें. तीसरी बार बातचीत करें. यदि चर्चा जारी रहेगी तो कभी कभी सफलता की आवश्यकता होगी.

मंगल उपदेश के बाद अनेक तपस्वियों ने उनकी तपस्या स्वीकार की. 'बेटी तेरापंथ की' सम्मेलन के दूसरे दिन आचार्यश्री के मंगल प्रवचन के बाद मुनि कुमारश्रमणजी ने दुख में भी सुख ढूंढने की प्रेरणा दी. जैन श्वेतांबर तेरापंथी महासभा के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनि विश्रुत कुमारजी ने 'बेटी तेरापंथ की' प्रकल्प के संबंध में अपनी अभिव्यक्ति दी. फिर शांतिदूत आचार्यश्री महाश्रमणजी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को विशेष प्रेरणा देते हुए कहा कि चातुर्मास के दौरान कई संगठनों की बैठकें आयोजित की जाती हैं. 'बेटी तेरापंथ की' की यह नई प्रेरणा जैन श्वेतांबर तेरापंथी महासभा से मिली है. जैसा कि मैंने कहा कि दामाद बेटियों के साथ आएं, यह बेहतर है. बेटी और दामाद के बाद दोहित्र और दोहित्री भी जुड़े हुए हैं. यह सम्मेलन का दूसरा और आखिरी दिन है. आपकी बेटी और दामाद समृद्ध हों और धार्मिक रूप से खुश रहें. आत्मिक सुख एवं शांति की अनुभूति होनी चाहिए. आप जहां भी रहें धार्मिक-आध्यात्मिक सेवाएं प्रदान करने का प्रयास करना चाहिए, परिवारों में शांति हो, कलह की संभावना न हो, नशे से परहेज हो.

'बेटी तेरापंथ की' सम्मेलन में शामिल हुई कच्छ-भुज की बेटियों ने आचार्यश्री के समक्ष अपने गीत प्रस्तुत किये.

## गुण बनें गुणकारी और संयम में हो सहयोगी युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण

**क्रांति समय**
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

महावीर समवसरण में उपस्थित जनता को आयारो आगम के माध्यम से युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी ने पावन पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि आयारो आगम में कहा गया है कि हमारी दुनिया में भौतिक जगत भी है. शब्द, रूप, रस, गंध व स्पर्श- ये भौतिक जगत के अंग हैं. यह भौतिक जगत पुद्गल के रूप में होता है. दूसरी ओर होता है अध्यात्म का जगत. भौतिकता से मुक्त होकर जीवन जीना मुश्किल बात है. चौदहवें गुणस्थान में स्थित अयोगी केवली भौतिकता से पूर्णतया विरक्त हैं. शेष तेरह गुणस्थान तक वाले केवली तो भौतिकता से किसी न किसी रूप में जुड़े ही रहते हैं. जो गुण हैं वह आवर्त है और जो आवर्त है, वह गुण है. शब्द, रूप, रस, गंध व स्पर्श को गुण कहा गया है. जो विषय हैं, वे छोटे प्रकार के भावों के संक्रमण के हेतु बन जाते हैं. सिद्ध भगवान एक ही समय में ज्ञाता और द्रष्टा भाव नहीं रखते हैं, वे एक समय में केवल ज्ञान से जाना और दूसरे समय में जाना अथवा एक समय में देखा और दूसरे समय में जाना. एक समय में ज्ञाता और द्रष्टा नहीं होते. इसलिए जिस समय सिद्ध द्रष्टा हैं, तब ज्ञाता नहीं और जब ज्ञाता हैं तब द्रष्टा नहीं.

हम साधना की दृष्टि से ज्ञाता और द्रष्टा भाव की बात करते हैं. सिद्ध भगवान भी एक समय में ज्ञाता और द्रष्टा नहीं होते. सिद्ध सब कुछ देखने और जानने वाले होते हैं. वे शब्द आदि का प्रयोग नहीं करते. इसलिए जो गुण है, वह आवर्त है और जो आवर्त है और वह गुण है. इसलिए आयारों में बताया गया कि जो पांचों विषय हैं, छोटे प्रकार के भावों के संक्रमण हैं.

जिस प्रकार आदमी मित्र को देखे तो क्या भाव आता है और एक अपने शत्रु और दुश्मन को देखे तो क्या भाव आता है. आदमी अपने भावों के आधार पर गुण प्रकट होता है, इसलिए दोनों में संबंध भी देखा जा सकता है. किसी फूल से सुगंध आती है, वह वनस्पति है, आदमी कुछ खाता है, वह भी वनस्पति से प्राप्त है। जैसे काष्ठ जीवमुक्त शरीर प्रयोग में आता है और पुष्प जीवयुक्त शरीर प्रयोग में होता है. पदार्थ आसक्ति के कारण बन सकते हैं. इसके कारण आदमी उसे प्राप्त करने का प्रयास कर सकता है. आदमी को यह प्रयास करना चाहिए. इसलिए आदमी पदार्थों के आवर्त न फसने का यथोचित प्रयास करें. जो गुण है, वह गुणकारी बने, संयम में सहयोग देने वाले बनें, ऐसा प्रयास करना चाहिए.

मंगल प्रवचन के उपरान्त आचार्यश्री ने आख्यान क्रम को भी आगे बढ़ाते हुए उसका संगान और व्याख्यान किया. तदुपरान्त अनेक तपस्वियों ने अपनी-अपनी तपस्याओं का आचार्यश्री से प्रत्याख्यान किया. प्रवक्ता उपासक श्री सुरेश बाफना ने पैंतीस की तपस्या का प्रत्याख्यान किया.

आचार्यश्री की मंगल सन्निधि में आज उपासक सेमिनार का मंचीय उपक्रम रहा. इस संदर्भ में उपासक श्रेणी के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनि योगेशकुमारजी ने अपनी भावाभिव्यक्ति दी. उपासक श्रेणी के राष्ट्रीय संयोजक श्री सूर्यप्रकाश सामसुखा व श्री विनोद बांठिया ने अपनी अभिव्यक्ति दी. उपासक श्रेणी ने गीत का संगान किया. आचार्यश्री ने इस संदर्भ में पावन आशीष प्रदान करते हुए कहा कि परम पूज्य गुरुदेव तुलसी केर समय जन्मी उपासक श्रेणी आज बहुत आगे बढ़ गयी है. सेमिनार भी एक प्रशिक्षण का अच्छा माध्यम बन सकता है. उपासक-उपासिकाओं में खूब तत्त्वज्ञान का विकास होता रहे. श्री दिनेश द्वारा रचित अपनी पुस्तक 'जरा विचार करें' को पूज्यप्रवर के समक्ष लोकार्पित किया.

## तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, सूरत द्वारा नेत्र जांच शिविर

**क्रांति समय**
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

संयम विहार में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के पावन सान्निध्य में तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, सूरत द्वारा स्वामी विवेकानंद नेत्र मंदिर के साथ मिलकर एक दिवसीय आई चैकअप कैंप लगाया गया. जिसमें विशेषज्ञ डॉक्टर्स द्वारा नंबर की जांच, मोतियाबिंद की जांच के ५०० से अधिक नेत्र जांच हुई. साथ ही जरूरत के हिसाब से चश्में भी वितरित किए गए.

## अग्रवाल विकास ट्रस्ट युवा शाखा द्वारा विशाल कावड़ यात्रा का हुआ आयोजन

**क्रांति समय**
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

रविवार को अग्रवाल विकास ट्रस्ट युवा शाखा द्वारा विशाल कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया. युवा शाखा के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि सुबह छ: बजे नावड़ी ओवरा से कावड़ पूजा के बाद यात्रा रवाना हुई. कावड़ यात्रा में पाँच सौ से अधिक युवा नाचते-गाते भगवान शिव पार्वती की जीवंत झांकी के साथ सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के प्रांगण में स्थित गौरी शंकर मंदिर पहुँचे एवं भगवान भोले का जलाभिषेक किया. इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार, कोषाध्यक्ष शशिभूषण जैन, युवा शाखा के अंकित झुनझुनवाला, शानूज, प्रणव, हेमंत, समवेद, देवशीष, कुश, आयुष सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें.